सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 104 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 27 जनवरी 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

बिजली कर्मियों का डीए 4 फीसद बढ़ा, बोनस भी मिलेगा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्टेट पावर कंपनी द्वारा अधिकारियों और कर्मचारियों के डीए में 4 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। बता दें 1 जुलाई 2023 से यह 42 प्रतिशत से बढ़कर 46 फीसदी हो गया है। इसके साथ अधिकारियों और कर्मचारियों को 11 हजार रुपए एक्सग्रेसिया/बोनस भी मिलेगा। कंपनी के चेयरमैन पी.दयानंद ने गणतंत्र दिवस पर डीए बढ़ाने की घोषणा की। उन्होंने घोषणा में कहा कि सभी का वाहन भत्ता भी बढ़ाया जाएगा।

कंपनी के चेयरमैन ने गणतंत्र दिवस पर सभी अधिकारीयों और कर्मचारियों के डीए में बढ़ोतरी के साथ-साथ वाहन भत्ता, लाभ पेंशनरों को लाभ देने का ऐलान किया। इसके अलावा 10,000 नियमित कर्मी और 11,000 पेंशनर्स पात्रों को 1 अक्टूबर 2023 से शुरू कैश लेस योजना का भी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि अभी चल रही 11 हितग्राही रोज सुविधा का लाभ ले रहे है। इस योजना के अंतर्गत 106 अलग-अलग अस्पतालों में 1,035 हितग्राहियों को कैशलेस सुविधा प्राप्त हुई है।

बदलेगा मौसम का मिजाज, पारा बढ़ने पर कड़ाके की ठंड से मिलेगी राहत

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। उत्तरी हवाओं के प्रभाव से प्रदेश के मौसम बदला है। इससे प्रदेश में सुबह और रात की तरह दिनभर ठंड लग रही है। कुछ दिनों तक मौसम ऐसे ही बने रहने की संभावना है। इसके बाद न्यूनतम तापमान बढ़ने की संभावना है। शुक्रवार को सबसे ठंड इलाका बलरामपुर रहा। मौसम विभाग के अनुसार, छत्तीसगढ़ में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलने वाला है। प्रदेश में आने वाले पांच दिनों में न्यूनतम तापमान बढ़ने की संभावना है। मौसम एक्सपर्ट का कहना है कि प्रदेश में पड़ रही कड़ाके की ठंड से लोगों की राहत मिलेगी। न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। इससे न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी और ठंड में कमी आएगी। बीते दिनों प्रदेश में मौसम का मिजाज पूरी तरह से बदला हुआ था। सुबह के समय बादल छाए रहने के साथ ही हल्की मध्यम बारिश होते रही।

जगदलपुर के लालबाग मैदान से सीएम साय ने खींचा भविष्य के छत्तीसगढ़ का खाका

छत्तीसगढ़ के विकास को लगेंगे नए पंख

75वें गणतंत्र दिवस पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ध्वजारोहण कर ली परेड की सलामी

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर बस्तर के जिला मुख्यालय जगदलपुर में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के लोगों को कई सौगातें भी दी और भविष्य की योजनाओं से छत्तीसगढ़ की तस्वीर बदलने का वायदा भी किया। जगदलपुर के लालबाग मैदान में तिरंगा फहराने के बाद उन्होंने राज्य के नागरिकों को गणतंत्र पर्व की शुभकामनाएं दी। साथ ही राज्य के किसानों को जीवन ज्योति योजना के तहत नि:शुल्क बिजली देने का भी ऐलान किया। उन्होंने निर्मल जल अभियान के तहत प्रत्येक घर में पानी पहुंचने का वायदा किया। उन्होंने बस्तर क्षेत्र के नगरनार और किलेपाल में कालेज खोलने की भी घोषणा की।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर शहीदों को नमन करते हुए मुख्यमंत्री ने भारतीय संविधान पर विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने पीएम नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में अर्जित की गई सफलताओं का जिक्र करते हुए कहा कि आज पूरी दुनिया भारत का लोहा मान रही है। भारत रत्न अटलजी ने छत्तीसगढ़ को अलग राज्य का दर्जा देकर छत्तीसगढ़ के विकास को पंख प्रदान किए। इसके चलते 1 नवम्बर 2000 से छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा प्रारम्भ हुई। श्री साय ने कहा कि भगवान राम के प्रति अटूट श्रद्धा हमारी पहचान है। हम 'रघुकुल रीति सदा चली आई, प्राण जाई पर वचन न जाई' का अनुसरण करते हैं। हमारी चेतना में एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय का दर्शन समाहित है, जो हमें मानव धर्म के लक्ष्यों के प्रति जागरूक रखता है। इनके रास्ते पर चलते हुए हम छत्तीसगढ़ के जन-जन का सपना पूरा करेंगे।

सिंचाई के लिए मिलेगी नि:शुल्क बिजली

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपको याद होगा कि कृषक जीवन ज्योति योजना, हमारी ही पूर्ववर्ती सरकार की देन थी, जिसने किसानों के जीवन में बहार लाई थी। नि:शुल्क बिजली प्रदाय से उनकी सिंचाई सुविधा और उत्पादन क्षमता में बहुत बढ़ोतरी हुई थी। सरकार बनते ही हमने इस योजना की समीक्षा की और पाया कि किसानों को नि:शुल्क बिजली देने की यह व्यवस्था बहुत कारगर साबित हुई है, जिसे और अधिक प्रभावी बनाने के लिए 1 हजार 123 करोड़ रुपए अतिरिक्त राशि स्वीकृत की गई है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्र योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, जैविक खेती मिशन, राष्ट्रीय बागवानी मिशन एवं राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल, राष्ट्रीय गोकुल मिशन, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना आदि योजनाओं का समय पर अधिकाधिक लाभ प्रदेश के किसानों को देने की व्यवस्था की जाएगी।

18 लाख लोगों को मिलेंगे पक्के आवास

श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा राज्य के आवासहीन परिवारों को पक्का आवास प्रदान करने की गारंटी को हमने सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। हमने अपनी सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में राज्य के 18 लाख से अधिक परिवारों को प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दी है। इस तरह से हम देश में हर बेघर के सिर पर छत देने के लक्ष्य को पूरा करने में भी अपना योगदान देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास के साथ हमने जल जीवन मिशन के तहत छत्तीसगढ़ के प्रत्येक घर में पीने का शुद्ध पानी उपलब्ध कराने का वादा किया था। निर्धारित लक्ष्य जल्दी से जल्दी पूरा करने के लिए हमने अतिरिक्त धनराशि की व्यवस्था कर दी है। वहीं, मातृशक्ति को नमन करते हुए उन्होंने कहा कि माताओं, बहनों, बेटियों के सम्मान, स्वाभिमान, स्वावलंबन और सुरक्षा के लिए हम हरसंभव कदम उठाएंगे। उनकी सेहत, शिक्षा और पोषण के लिए भी समुचित योजनाएं कारगर ढंग से लागू की जाएंगी। हमने महतारी वंदन योजना के अंतर्गत 12 हजार रुपए वार्षिक आर्थिक सहायता प्रदान करने का वादा निभाने की दिशा में पहल प्रारंभ की है।

12 लाख किसानों को बोनस

अन्नदाताओं की समृद्धि और खुशहाली को लेकर छत्तीसगढ़ राज्य के जन्मदाता पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस-'सुशासन दिवस' के अवसर पर 2 साल की धान खरीदी के बकाया बोनस के एकमुश्त भुगतान को लेकर वादा किया गया था। यह वादा हमने नियत तिथि को निभाया और 12 लाख से अधिक किसानों को एकमुश्त 3 हजार 716 करोड़ रुपए की राशि उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की। इसी तरह 'कृषक उन्नति योजना' के अंतर्गत हमने प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी का आदेश जारी करके यह व्यवस्था लागू कर दी है। व्यवस्था में सुधार हेतु ऑनलाइन धान खरीदी केन्द्रों में बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण से धान खरीदी की जा रही है। 48 घंटे के भीतर भुगतान की व्यवस्था की गई है, जिसमें काफी हद तक सफलता मिली है। मुख्यमंत्री ने स्वच्छता के संबंध में कहा कि मैं प्रदेशवासियों को साधुवाद देता हूं, जिनके सहयोग से छत्तीसगढ़ को देश के तीसरे सबसे स्वच्छ राज्य का खिताब मिला है। मैं चाहूंगा कि स्वच्छता के सभी मापदण्डों पर आप सबकी लगन और जागरुकता लगातार बढ़े। हमें प्रदेश को स्वच्छता के शिखर पर पहुंचाना है ताकि जीवन स्तर उन्नयन के विभिन्न प्रयासों का अधिक लाभ सबको मिले।

पांच वर्ष तक मिलेगा नि:शुल्क चावल

कोविड-19 की विश्वव्यापी आपदा से निपटने के लिए किसी भी जरूरतमंद परिवार को पोषण समस्या न हो यह ध्यान में रखते हुए केन्द्र शासन ने नि:शुल्क अनाज प्रदान करने की योजना शुरू की थी। अब प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत दिसम्बर 2028 तक नि:शुल्क चावल प्रदाय की व्यवस्था कर दी है। छत्तीसगढ़ में इस योजना से 67 लाख 94 हजार अंत्योदय, प्राथमिकता, एकल निराश्रित एवं नि:शक्तजन राशनकार्डधारियों को मासिक पात्रता का चावल दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने पीडीएस प्रणाली से संबंधित सुधारों के बारे में जानकारी दी।

रामलला दर्शन योजना का मिलेगा लाभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या धाम में प्रभु राम की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा के प्रति लोगों की जिज्ञासा और अगाध श्रद्धा भाव का सम्मान करते हुए हमारी सरकार ने रामलला दर्शन योजना प्रारंभ करने का निर्णय लिया है, जिसके तहत प्रति वर्ष हजारों लोगों का अयोध्या धाम तथा काशी विश्वनाथ धाम, प्रयागराज की तीर्थयात्रा कराई जाएगी। वहीं, छत्तीसगढ़ में सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक संसाधन, पर्यटन विकास के अवसर, परंपरागत ज्ञान तथा कौशल, परिश्रमी तथा विवेकशील जनता, नवीन संभावनाओं के अनुसार अपने को ढालने की इच्छाशक्ति, नई चुनौतियों का सामना करने का साहस जैसे तमाम आवश्यक तत्व मौजूद हैं। सुशासन के माध्यम से सही दिशा में आगे बढ़ने की आवश्यकता है। नक्सलवाद तथा विभिन्न प्रकार के अपराधों, हिंसा व अन्याय पर तेजी से रोक लगे।

पारदर्शी होंगी प्रतियोगी परीक्षाएं

युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हम विद्यार्थियों और युवाओं की चिंता से अवगत हैं। यही वजह है कि छत्तीसगढ़ पीएससी की सभी प्रमुख परीक्षाओं की प्रक्रिया को यूपीएससी की तर्ज पर सुव्यवस्थित करने हेतु प्रयास किया जा रहा है। हमने पीएससी प्रकरण की जांच सीबीआई से कराने का निर्णय लिया है। हमारी सरकार ने सभी प्रमुख परीक्षाओं की पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अनेक स्तरों पर परीक्षण प्रारंभ कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से प्रदेश में एक महाअभियान संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य प्रदेश के हर वंचित और कमजोर व्यक्ति तक पहुंचना और पात्रतानुसार उन्हें विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान करना है। यह यात्रा प्रदेश की सभी 11 हजार 654 ग्राम पंचायतों तथा 170 नगरीय निकायों में पहुंच रही है।

भूपेश नांदगांव तो ताम्रध्वज महासमुंद से लड़ सकते हैं लोकसभा चुनाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद अब छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस बीच कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी की 26 जनवरी को बैठक हुई। बैठक में भूपेश बघेल को राजनांदगांव लोकसभा सीट से चुनाव लडाने का प्रस्ताव रखा गया। वहीं ताम्रध्वज साहू को महासमुंद, कांकेर से मोहन मरकाम, जांजगीर से शिव डहरिया, कोरबा से ज्योत्सना महंत और बस्तर से दीपक बैज को चुनाव लड़ाने का प्रस्ताव रखा गया है। माना जा रहा है कि ये वरिष्ठ नेता इन लोकसभा सीटों से मैदान में उतर सकते हैं। आज शनिवार को भी कांग्रेस की चुनाव समिति की बैठक होने की खबर है।

अकबर ने रखा प्रस्ताव

स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में भूपेश बघेल के नाम का प्रस्ताव रखा गया है। यह प्रस्ताव पूर्व मंत्री मोहम्मद अकबर ने रखा है। बता दें कि राजनांदगांव सीट छत्तीसगढ़ की चर्चित सीटों में से एक है। यह सीट 2009 से भाजपा के कब्जे में रही है। इस सीट पर छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह का अच्छा प्रभाव है। 2014 में खुद रमन सिंह के बेटे अभिषेक सिंह इस सीट से जीतकर संसद पहुंच चुके हैं, लेकिन 2019 लोकसभा चुनाव से पहले उनके नाम पर विवाद के बाद उनका टिकट कट गया था। इस बैठक को लेकर स्क्रीनिंग कमेटी की प्रमुख रजनी पाटिल का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि आज हमारी पहली मीटिंग हुई। हमने सभी लोकसभा क्षेत्रों के नेता और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। प्रदेश चुनाव समिति की भी बैठक होगी। सभी ने अपनी-अपनी बात सामने रखी है।

11 लोकसभा सीटों पर हुई चर्चा

यह बैठक कांग्रेस प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में थी, जिसमें कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्ष रजनी पाटिल, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज और अन्य सदस्य मौजूद रहे। बैठक में छत्तीसगढ़ की सभी 11 लोकसभा सीटों पर चर्चा की गई। साथ ही पूर्व मंत्रियों को चुनाव लड़ाये जाने की बात कही गई है। बता दें कि कांग्रेस ने 11 लोकसभा सीटों के लिए 20 लोगों की टीम तैयार की है।

अनुभवी चेहरों पर पार्टी दांव खेलेगी- पायलट

बैठक को लेकर प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने कहा कि सभी प्रमुख नेताओं से खुले माहौल में चर्चा की गई है। यह चुनाव जीतना हमारे लिए बहुत जरूरी है। इस बार नए और अनुभवी चेहरों पर पार्टी दांव खेलेगी। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के चुनाव लड़ने पर उन्होंने कहा कि, यह निर्णय सीईसी लेगा। चुनाव हम जीतने के लिए लड़ रहे हैं और चुनाव में हार जीत चलती रहती है।

जज बनाम जज मामला: सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल सरकार को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के जज बनाम जज मामले में पश्चिम बंगाल सरकार और कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर करने वाले याचिकाकर्ता को नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई 29 जनवरी तक टाल दी है। साथ ही कलकत्ता हाईकोर्ट में फर्जी जाति प्रमाण पत्र मामले की सुनवाई पर फिलहाल रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय के सीबीआई जांच के निर्देश पर भी रोक लगा दी है। कलकत्ता हाईकोर्ट के जज बनाम जज मामले पर सुप्रीम कोर्ट में आज विशेष सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट, कलकत्ता हाईकोर्ट के जज अभिजीत गंगोपाध्याय के अन्य जज पर लगाए आरोपों पर स्वत: संज्ञान लेकर इस मामले की सुनवाई की। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ समेत पांच जजों की पीठ इस मामले की सुनवाई की।

भाजपा का गांव चलो अभियान अगले माह से

20 हजार गांवों तक जाएंगे भाजपा कार्यकर्ता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा 20 हजार गांवों तक पहुंचेगी। भाजपा के कार्यकर्ता गांव चलो अभियान का हिस्सा बनेंगे। अभियान के तहत छत्तीसगढ़ में चार से 11 फरवरी तक यह अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान में मुख्यमंत्री से लेकर लोकसभा, राज्यसभा सदस्य, विधायक, पूर्व लोकसभा सदस्य व राज्यसभा सदस्य, पूर्व विधायक सहित सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता गांवों में जाकर 24 घंटे वहां रुकेंगे। वहां के लोगों को केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में बताएंगे।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, गांव चलो अभियान कार्यशाला का मुख्य विषय लोकसभा चुनाव की तैयारी है जिसमें क्या-क्या कार्य करना है, इस पर चर्चा की गई। भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी गांवों में जाकर केंद्र सरकार व राज्य सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों से मिलेंगे। प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में गांव चलो अभियान की कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में गांव चलो अभियान के चार राज्यों बिहार, ओड़िशा, झारखंड और छत्तीसगढ़ के प्रभारी व झारखंड के राज्यसभा सदस्य दीपक प्रकाश, गांव चलो अभियान के प्रदेश संयोजक व पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, सह संयोजक विधायक रायपुर ग्रामीण मोतीलाल साहू, विधायक गोमती साय, भरत मटियारा, उपस्थित रहे।

डीजे की आवाज में गुम हो गई आवाज

श्रीकंचपनथ

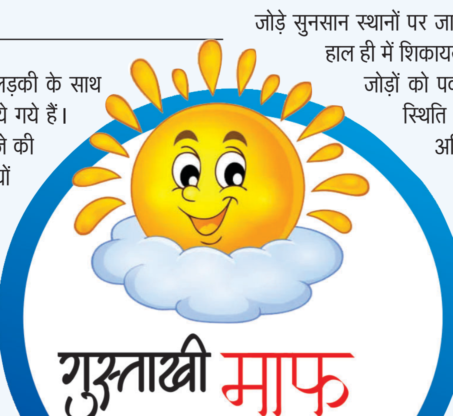

गांव के ही छह युवकों ने मिलकर एक नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार किया। सभी आरोपी पकड़ लिये गये हैं। घटना जशपुर की है। आरोपी और पीड़ित, सभी डीजे की धुन पर डांस करने गए थे। जब लड़की पर आरोपियों ने हमला किया तो वह चीखी भी पर डीजे के तेज शोर शराबे में उसकी आवाज किसी को सुनाई नहीं दी। डीजे एक ऐसी ही मुसीबत है जिसके आसपास के 40-50 मीटर के दायरे में आपस में बातचीत करना तक संभव नहीं होता, फोन की घंटी सुनाई नहीं देती और सुनाई दे भी जाए तो उसपर बात नहीं की जा सकती। एक और मुसीबत है युवा जोड़ों का तफरीह के लिए सुनसान जगहों पर जाना। रईसजादे युवतियों को फंसाते हैं और फिर उन्हें गाड़ी में बैठाकर सुनसान जगहों पर ले जाते हैं। गाड़ी में ही नशाखोरी की जाती है। कुछ जोड़े गाड़ी में ही यौन संबंध बनाते हैं। फिल्म 'पीके' में ऐसी ही घटनाओं का जिक्र डांसिंग कार के रूप में किया गया था। कभी-कभी ऐसी तफरीह महंगी पड़ती है। एकांत में ऐसे जोड़ों को अपराधी प्रवृत्ति के लोग घेर लेते हैं और फिर लड़की के साथ बहुत बुरा बीतता है। कार में इस तरह संबंध बनाने वालों के सैकड़ों वीडियो पोर्न साइट्स पर मिल जाएंगे। ये वीडियो ब्लैकमेलिंग का भी जरिया बनते हैं। इसलिए पुलिस नहीं चाहती की युवा जोड़े सुनसान स्थानों पर जाएं और वहां बेजा हरकतें करें। कवर्धा पुलिस कप्तान ने हाल ही में शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए लालपुर सरोदा रोड पर अनेक जोड़ों को पकड़ा। कार और बाइक पर ही युवा जोड़े आपत्तिजनक स्थिति में मिले। फिलहाल उनकी हरकतों की जानकारी उनके अभिभावकों को देने के साथ ही उन्हें चेतावनी देकर छोड़ दिया गया है। उन्हें चेतावनी दी गई है कि यदि आइंदा इन स्थानों पर ऐसी स्थिति में मिले तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। हालांकि पुलिस कार्रवाई कर रही है पर बीजापुर की एक घटना के सामने आने के बाद ये प्रयास ऊंट के मुंह में जीरा प्रतीत होते हैं। बीजापुर के आवापल्ली थाना क्षेत्र में एक 20 वर्षीय युवक अपने परिचित की 9 साल की बेटी के साथ दो साल से यौन संबंध बना रहा था। 11 साल की उम्र में बालिका गर्भवती हुई तब जाकर घर वालों को इसका पता चला। शिकायत पर पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया और फास्ट ट्रैक कोर्ट में पेश किया। युवक को बीस साल कैद की सजा सुनाई गई है। इस मामले में 11 गवाहों को पुलिस ने पेश किया था जिन्हें इस घटना की भनक थी। पर वो सबके सब दो साल तक चुप रहे। जब तक समाज इस तरह आंखें मूंदे रहेगा, पुलिस अपराधी को सजा तो दिला सकती है पर ऐसी घटनाओं को रोक नहीं सकती। लड़कियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी समाज को और स्वयं लड़कियों को लेनी होगी। साहसी होने का मतलब बेपरवाह होना नहीं है।

संपादकीय

नारी शक्ति का प्रदर्शन

हर बार की तरह इस बार भी नई दिल्ली में हुई गणतंत्र दिवस की परेड में भारत ने अपनी जंगी ताकत का प्रदर्शन किया। मिसाइलें, लड़ाकू विमान, अत्याधुनिक आग्नेयास्त्र, सेना का ऐसा हर हथियार, जो हमें देश की सुरक्षा को लेकर आश्वस्त करता है, इस परेड में शामिल था। मगर सेना के पास सिर्फ इतना ही नहीं है, भारतीय सेना के पास एक और ऐसी ताकत आ चुकी है, जो आश्वस्त भी करती है और गौरवान्वित भी। यह है नारी शक्ति। शुक्रवार की परेड में तीनों सेनाओं और अन्य सुरक्षा बलों की सभी टुकड़ियों का नेतृत्व महिलाओं ने किया। यहां तक कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन की झांकी का नेतृत्व भी वैज्ञानिक सुनीता जैन ने किया। परेड और झांकियों में यह दिखाने की कोशिश की गई कि महिलाएं सुरक्षा बलों में कितने अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभा रही हैं। परेड में जिस टुकड़ी ने सबका ध्यान खींचा, वह थी सेना के एक इंजीनियरिंग कोर बांबे सैपर्स की टुकड़ी। भारतीय सेना की इस सबसे प्रतिष्ठित कोर की टुकड़ी में सभी पुरुष थे, लेकिन उनका नेतृत्व एक महिला दिव्या त्यागी कर रही थीं। राज्यों की झांकियों और परंपरागत नृत्य मंडलियों में महिलाएं ही आगे थीं, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा सुरक्षा बलों में महिलाओं की भूमिका को लेकर ही हुई। यह सिर्फ भारतीय रक्षा बलों में महिलाओं की सक्रियता का मामला नहीं है, बल्कि यह भी बताता है कि समाज अपने बंधन तोड़कर कितना आगे बढ़ चुका है। ब्रिटिश सरकार ने जब भारत में सेना बनाई थी, तब उसमें महिलाओं को एक ही भूमिका दी जाती थी- नर्स की भूमिका। महिलाएं घायल सैनिकों के इलाज से आगे जाकर भी कुछ कर सकती हैं, ऐसा सोचा ही नहीं गया था। लेकिन ठीक उसी समय जब नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने भारत के बाहर निर्वासित आजाद हिंद फौज का गठन किया, तब उन्होंने रानी झांसी ब्रिगेड बनाई थी, जिसमें सिर्फ महिलाएं ही थीं। आजादी के बाद भारत ने इस परंपरा को धीरे-धीरे ही सही लगातार आगे बढ़ाया। लंबे समय तक सोच यही रही कि युद्ध के मोर्चे पर जाकर लड़ाई लड़ने का काम, यानी कॉम्बैट रोल महिलाओं को नहीं सौंपा जाना चाहिए, पर धीरे-धीरे इस आग्रह को भी खत्म कर दिया गया। अब अगर हम 2018 के आंकड़ों को देखें, तो उस समय भारतीय वायुसेना में 13 फीसदी से भी ज्यादा महिलाएं ऑफिसर के पद पर थीं। बाकी दोनों सेनाओं में यह प्रतिशत इतना ज्यादा नहीं है, लेकिन तेजी से सुधर रहा है। सोच और आग्रह के स्तर पर जो सबसे बड़ी बाधा थी, अब वह पूरी तरह खत्म हो चुकी है। परेड में शामिल ये टुकड़ियां राष्ट्रपति को सलामी देती हैं। यानी सिर्फ सलामी देने वाली ही महिलाएं नहीं थीं, बल्कि वे एक महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को सलामी दे रही थीं। यह बताता है कि सिर्फ सैनिकों, अफसरों और पेशेवरों के मामले में ही महिलाएं आगे नहीं हैं, सत्ता तंत्र चलाने में भी वे बहुत आगे पहुंच चुकी हैं। पिछले दिनों जिस तरह से भारत ने महिला आरक्षण विधेयक संसद के दोनों सत्रों में पास किया, उससे यह लगभग तय है कि आने वाले समय में राजनीति में महिलाएं ज्यादा बड़ी भूमिका निभाने जा रही हैं। इसी तरह की कोशिश हमें अन्य क्षेत्रों में भी करनी होगी। यह सच है कि महिलाएं हर क्षेत्र में आगे आई हैं, पर अभी जो स्थिति है, उससे बहुत संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता। महिलाओं के लिए अभी अनेक ऐसे मोर्चे हैं, जहां उनकी मजबूत मौजूदगी की दरकार है।

> महिलाएं घायल सैनिकों के इलाज से आगे जाकर भी कुछ कर सकती हैं, ऐसा सोचा ही नहीं गया था। लेकिन ठीक उसी समय जब नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने भारत के बाहर निर्वासित आजाद हिंद फौज का गठन किया, तब उन्होंने रानी झांसी ब्रिगेड बनाई थी, जिसमें सिर्फ महिलाएं ही थीं। आजादी के बाद भारत ने इस परंपरा को धीरे-धीरे ही सही लगातार आगे बढ़ाया।

भारत की क्या राय?

शीत युद्ध के दौर में गुटनिरपेक्ष आंदोलन एक महत्त्वपूर्ण आवाज था। लेकिन सोवियत संघ के विखंडन के साथ चूंकि तत्कालीन एक गुट का विलोप हो गया, तो इस आंदोलन ने भी अपनी प्रासंगिकता खो दी। इसके बावजूद इस समूह को इससे जुड़े देशों ने जिंदा रखा और अब जबकि दुनिया फिर से भूमंडलीकरण की उलटी दिशा में चल पड़ी है, तो अचानक इसका शिखर सम्मेलन मीडिया की सुर्खियों में आया। भारत में इसको लेकर और जिज्ञासा पैदा हुई क्योंकि विदेश मंत्री जयशंकर 120 देशों की सदस्यता वाले इस समूह की शिखर बैठक में भाग लेने यूगांडा की राजधानी कंपाला गए। विदेश मंत्री ने सम्मेलन में ग्लोबल साउथ की एकता पर जोर दिया और इस मकसद को हासिल करने में निर्गुट आंदोलन की भूमिका की चर्चा की। बहरहाल, सम्मेलन के बाद जारी घोषणापत्र में जो बातें कही गईं, वे कम-से-कम इजराइल-फिलस्तीन के मौजूदा युद्ध के बारे में भारत के रुख से मेल नहीं खातीं। इसमें गजा में इजराइली कार्रवाई की दो टूक निंदा की गई, मगर हमास को कोई जिक्र नहीं किया गया। आतंकवाद की चर्चा सामान्य रूप में ही हुई और उसका विरोध किया गया। जबकि बीते सात अक्टूबर को इजराइल पर हमास के हमलों को भारत ने आतंकवाद बताया था और उसकी दो टूक निंदा की थी। घोषणापत्र में गजा में तुरंत युद्धविराम की मांग की गई, जबकि भारत वहां मानवीय आधार पर लड़ाई रोकने की वकालत करता रहा है। कहा जा सकता है कि कंपाला घोषणापत्र में इस समय ग्लोबल साउथ की आम सोच प्रतिबिंबित हुई। चूंकि घोषणापत्र साझा है, इसलिए यह आम अनुमान लगाया जाएगा कि भारत इसमें कही गई बातों से सहमत है। क्या सचमुच ऐसा है? इस बारे में भारतीय विदेश मंत्रालय को अवश्य जानकारी देनी चाहिए। भारतीय विदेश नीति के बारे में स्पष्टता बनाने के लिए यह अवश्यक है। बहरहाल, गौरतलब है कि यूगांडा ने निर्गुट सम्मेलन के तुरंत बाद विकासशील देशों के अन्य समूह ग्रुप-77 की चीन के साथ बैठक आयोजित की। हालांकि नाम ग्रुप-77 है, लेकिन इसमें 135 देश शामिल हैं। इसे संयुक्त राष्ट्र में विकासशील देशों के बीच तालमेल के लिए बनाया गया था।

उनका मसला, हमारी समस्या

कनाडा ने दो साल के लिए छात्र वीजा की संख्या सीमित करने का एलान किया है। उचित ही उल्लेख किया गया है कि इसका सबसे ज्यादा प्रभाव भारतीय छात्रों पर पड़ेगा। जस्टिन ट्रुडो सरकार के इन कदम के पीछे प्रमुख कारण कनाडा में गंभीर हो गई आवासीय समस्या को बताया है। कनाडा में मकानों की कीमत और किराये में बेहद बढ़ोतरी हुई है, जिससे वहां के बाशिंदों की मुश्किलें बढ़ गई हैँ। वैसे आधिकारिक तौर पर कनाडा ने इस फैसले का कारण देश में शिक्षा के नाम पर फैलती जा रही धोखाधड़ी को बताया है। कहा गया है कि कनाडा में ऐसे संस्थानों की बाढ़ आ गई है, जिनका मकसद विदेशों से छात्र लाकर मोटी फीस वसूलना है, जबकि उनमें निम्नस्तरीय शिक्षा दी जा रही है। यह भी कहा गया है कि इन संस्थानों की वजह से वैसे छात्रों की संख्या बढ़ गई है, जिनका मकसद पढ़ाई नहीं, बल्कि किसी तरह कनाडा में प्रवेश कर जाना है। तो इस वर्ष कनाडा सरकार लगभग दो लाख कम छात्र वीजा जारी करेगी। पिछले वर्ष पांच लाख 60 हजार ऐसे वीजा दिए गए थे। 2022 में आठ लाख वीजा दिए गए, जिनमें तीन लाख 29 हजार भारतीय छात्र थे। इस तथ्य की रोशनी में मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि कनाडा के इस फैसले का सबसे बुरा प्रभाव भारतीय छात्रों पर पड़ेगा। लेकिन मुद्दा यह है कि आखिर ऐसी स्थिति क्यों है? जाहिर है, इसलिए कि भारत में उच्च-स्तरीय शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसरों का अभाव बना हुआ है। ऐसा नहीं होता, तो विकसित देशों में जाने की मजबूरी भारतीय नौजवानों के सामने नहीं होती। मौजूदा समय में सिर्फ कनाडा ही नहीं, बल्कि अमेरिका और यूरोपीय देशों में आव्रजन विरोधी भावनाएं मजबूत हो रही हैं।

> दिल्ली की स्वास्थ्य स्थिति हमें एहसास कराती है कि स्वास्थ्य केवल बीमारियों के संदर्भ में नहीं, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय कारकों से भी निर्धारित होता है। यहां कई अनोखी चुनौतियां हैं। यहां स्वास्थ्य सेवाएं संघ और राज्य सरकारों, शहरी स्थानीय निकाय/नगर निगमों और निजी क्षेत्र सहित कई स्वास्थ्य एजेंसियों द्वारा मुहैया कराई जाती हैं, जिनमें अक्सर सीमित समन्वय होता है।

दिल्ली की सेहत सुधारने का वक्त

चंद्रकान्त लहारिया, वरिष्ठ चिकित्सक

हम में से अधिकांश लोग स्वास्थ्य के महत्व को तभी पहचानते हैं, जब वे बीमार पड़ते हैं या कोई महामारी पांव पसारती है। हालांकि, यदि हम नियमित रूप से अपनी सेहत की जांच करते रहें, तो कई स्वास्थ्य संकटों को टाला जा सकता है या उनका प्रभाव कम किया जा सकता है। अच्छी सेहत के लिए व्यक्तिगत प्रयास की निस्संदेह जरूरत है, लेकिन समाज और राष्ट्र की भूमिका भी काफी अहम है। अच्छे अस्पताल, रहन-सहन के ठीक-ठाक माहौल, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं आदि सरकारों का ही दायित्व है, जिससे आम लोगों को अपनी सेहत सुधारने में खासा मदद मिलती है।

भारत की राजधानी होने के कारण दिल्ली पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने का बड़ा दायित्व है। बेशक, राष्ट्रीय राजधानी के पास सार्वजनिक और निजी स्वास्थ्य सेवाओं का एक अच्छा बुनियादी ढांचा है। यहां सरकारी व निजी अस्पतालों का विशाल नेटवर्क है और मोहल्ला क्लीनिकों के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं पर कुछ हद तक ध्यान भी दिया जाता है। इतना ही नहीं, दिल्ली उन राज्यों में से भी एक है, जो अपने बजट का बड़ा हिस्सा स्वास्थ्य पर खर्च करता है। फिर भी, यहां देश के सर्वोत्तम स्वास्थ्य संकेतकों या स्वास्थ्य सेवाओं के होने का दावा नहीं किया जा सकता, जिसका एक बड़ा कारण पड़ोसी राज्यों और देश भर के लोगों द्वारा यहां उपयोग की जा रही स्वास्थ्य सेवाएं और सुविधाएं हैं।

दिल्ली की स्वास्थ्य स्थिति हमें एहसास कराती है कि स्वास्थ्य केवल बीमारियों के संदर्भ में नहीं, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय कारकों से भी निर्धारित होता है। यहां कई अनोखी चुनौतियां हैं। यहां स्वास्थ्य सेवाएं संघ और राज्य सरकारों, शहरी स्थानीय निकाय/नगर निगमों और निजी क्षेत्र सहित कई स्वास्थ्य एजेंसियों द्वारा मुहैया कराई जाती हैं, जिनमें अक्सर सीमित समन्वय होता है। फिर, यहां प्रवासी आबादी और झुग्गी-झोपड़ी के निवासियों की भी अपनी स्वास्थ्य जरूरतें हैं। उन्हें आमतौर पर निकटतम स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में जानकारी नहीं होती।

यहां तमाम रोगों के अलावा मधुमेह, उच्च रक्तचाप और शहरी जीवन-शैली से जुड़ी अन्य बीमारियों का बढ़ना एक बड़ी चुनौती है। जब कोई ग्रामीण श्रमिक दिल्ली जैसे शहरी परिवेश में आता है, तो यह केवल एक भौतिक बदलाव नहीं होता है। यह नया माहौल उसकी नियमित शारीरिक गतिविधि में भी बदलाव लाता है, और उसे बीमार परिस्थितियों में रहने व खराब आहार से परिचित कराता है। वह प्रदूषण के संपर्क में आता है। धूम्रपान और शराब के सेवन की भी आशंका बढ़ती है। इसलिए, दिल्ली या अन्य प्रमुख शहरों को शहरी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए शेष भारत का मार्गदर्शन करने की जरूरत है, जो आने वाले वर्षों में एक बड़ी जरूरत बनकर हमारे सामने खड़ी हो सकती है।

हालांकि, दिल्ली ने सरकारी स्कूलों के लिए कार्यात्मक स्कूल स्वास्थ्य सेवाएं होने का दावा किया है, लेकिन उनकी कार्यक्षमता नाममात्र है। स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य का रिकॉर्ड रखना सीमित है और सेवाएं सालाना होने वाली स्वास्थ्य जांच तक सीमित हैं। प्रदर्शन और कार्यक्षमता का मूल्यांकन भी सीमित है।

इसी तरह, मानसिक स्वास्थ्य एक ऐसा क्षेत्र है, जिस पर चर्चा तो होती रहती है, पर पर्याप्त कार्रवाई नहीं की जा रही। दिल्ली में ही मानसिक रोगियों की संख्या कम नहीं है। लिहाजा, इस मुद्दे पर सार्वजनिक ध्यान देने की जरूरत है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि सार्वजनिक संवाद और समझ को बढ़ाना होगा, क्योंकि जिस तरह लोगों को शारीरिक बीमारियों से निपटने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की जरूरत है, उसी तरह मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर भी उनको समान सोच रखनी चाहिए। मानसिक रोगों को अन्य बीमारियों की तरह देखने की समझ लोगों में बढ़ानी होगी।

यहां प्रदूषण को भी नजरंदाज नहीं कर सकते। वायु गुणवत्ता सर्दियों में ही नहीं, वर्ष के अन्य महीनों में भी खराब रहती है। हर साल हवा की गुणवत्ता में गिरावट पर सार्वजनिक और नीतिगत बहसें होती हैं, लेकिन जमीन पर ऐसा कुछ होता नहीं दिखता, जिससे आबोहवा की सेहत में कोई बड़ा सुधार हो। जबकि, वायु प्रदूषण इंसानी सेहत को किस कदर प्रभावित करता है, यह कोई अबूझ रहस्य नहीं है। इससे कैंसर जैसे खतरनाक रोग तक हो सकते हैं।

ऐसे में क्या किया जाए? जाहिर है, यहां ठोस नीतिगत प्रयासों की सख्त जरूरत है। सबसे पहले, केंद्र व राज्य सरकारों और नगर निगम सहित तमाम एजेंसियों को आपसी समन्वय बनाकर काम करना होगा। सरकारी और निजी क्षेत्र के अस्पतालों के बीच सेवाओं के सामंजस्य की भी आवश्यकता है। दूसरा, वायु प्रदूषण से निपटने के लिए ठोस बहु-क्षेत्रीय योजनाएं बनानी होंगी। इस बाबत होने वाली चर्चाओं में विषय के जानकार व अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों को शामिल किया जाना चाहिए, और ऐसी योजनाओं को सरकारों द्वारा अथवा सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत बेहतर वित्त पोषित किया जाना चाहिए। तीसरा, जीवन-शैली से जुड़ी बीमारियों से निपटने के लिए विशेष रूप से निवारक और प्रोत्साहन स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाना होगा। मोहल्ला क्लीनिकों के माध्यम से सप्ताह में एक बार विशेषज्ञ सेवाएं भी प्रदान की जानी चाहिए। निवारक व प्रोत्साहन सेवाओं और स्वास्थ्य संचार दृष्टिकोण का पालन करने की जरूरत है। यह समझना चाहिए कि बेहतर स्वास्थ्य के लिए नागरिक सहभागिता की भी अहम भूमिका होती है, और लोगों को अपनी जिम्मेदारी का पालन करना चाहिए। चौथा, शहरी नियोजन में स्वास्थ्य का पर्याप्त ध्यान रखना होगा। जब कई एजेंसियां एक साथ काम करती हैं, तो फुटपाथ, साइकिल पथ जैसे प्रयास भी साकार होते दिखते हैं। गैर-संचारी रोगों के रोकथाम के लिए कई एजेंसियों को एक साथ काम करने की जरूरत है। भारत ने पहले से ही गैर-संचारी रोगों के लिए एक बहु-क्षेत्रीय कार्य योजना बनाई है, जिसमें 15 से अधिक मंत्रालयों या विभागों की भूमिका है। ऐसी योजनाओं को जल्द से जल्द धरातल पर उतारना होगा।

यह सही है कि स्वास्थ्य सेवाएं एक दिन में नहीं सुधर सकतीं, लेकिन अनवरत प्रयास से ही हम सफल हो सकते हैं। जिस तरह से दिल्ली पर आबादी का बोझ बढ़ता जा रहा है, यह जरूरी है कि सभी नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें। इसके लिए सभी संबंधित एजेंसियों को मिलकर काम करना ही होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

किसी विद्यार्थी की मुस्कान न छीन पाए कोई परीक्षा

हिमांशु गुप्ता, सचिव, सीबीएसई

अक्सर विद्यार्थी जीवन में विद्यार्थियों के चेहरे पर एक मुस्कान खिली रहती है, पर परीक्षा करीब आते ही यह मुस्कान कम होने लगती है। परीक्षा अपने साथ अक्सर लाती है तनाव, डर, अपेक्षाएं और चिंता। यह तनाव आखिर है क्या? इसका छात्र पर क्या प्रभाव पड़ता है?

तनाव को किसी कठिन परिस्थिति के कारण होने वाले मानसिक असंतुलन के रूप में देखा जा सकता है। तनाव एक स्वाभाविक मानवीय प्रतिक्रिया है, जो हमें अपने जीवन में चुनौतियों और खतरों से निपटने के लिए प्रेरित करती है। हर व्यक्ति अपने जीवन में कुछ हद तक तनाव का अनुभव करता ही है, पर परीक्षा के समय छात्रों में होने वाला तनाव हमारे दिन-प्रतिदिन के तनाव की तुलना में बहुत गंभीर है।

एनसीईआरटी ने जनवरी से मार्च, 2022 के बीच 3,79,842 विद्यार्थियों को लेकर एक सर्वेक्षण किया था। इसमें यह पाया गया कि हमारे विद्यालयों में कक्षा 9-12 के लगभग 80 प्रतिशत विद्यार्थी, परीक्षा और उसमें अपने प्रदर्शन को लेकर तनाव महसूस करते हैं। उन बच्चों में से अधिकांश ने यह भी बताया कि तनाव से जुड़े इन विचारों को वे अपने साथियों या अपने परिवार के सदस्यों के साथ साझा करने में असहज महसूस करते हैं। 33 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थियों ने बताया कि वे नियमित रूप से अपने सहपाठियों के दबाव का सामना करते हैं।

जैसे-जैसे विद्यार्थी उच्चतर कक्षाओं की ओर बढ़ते हैं, उनकी व्यक्तिगत तथा विद्यालयी जीवन से संतुष्टि कम हो जाती है। रिश्तों के प्रति बढ़ती संवेदनशीलता, साथियों का दबाव, बोर्ड परीक्षा का डर तथा खुद की पहचान खोने का डर जैसी चुनौतियां बढ़ती जाती हैं। परीक्षा से जुड़ी परेशानियों के अनेक कारण हो सकते हैं। इसमें जीवन-शैली से जुड़े मुद्दे भी शामिल हैं, जैसे- नींद पूरी न हो पाना, कुपोषण, शारीरिक गतिविधियों की कमी आदि। इसमें कुछ मनोवैज्ञानिक कारण भी शामिल हो सकते हैं, जैसे- परीक्षा में असफल होने का डर, अच्छे अंकों के लिए परिवार का दबाव, साथियों का दबाव, नकारात्मक सोच और आत्म-आलोचना, मसलन- मैं इस काबिल नहीं हूं, मैं यह कर नहीं सकता आदि।

हम ऐसा क्या कर सकते हैं, जिससे उन्हें इस स्थिति से न गुजरना पड़े? इस महत्वपूर्ण समस्या और इसके समाधान की ओर सबका ध्यान आकर्षित किया है- 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम ने। इस कार्यक्रम की संकल्पना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा छह वर्ष पूर्व की गई थी। इस कार्यक्रम में वह विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों से परीक्षा व जीवन से जुड़े मुद्दों पर बात करते हैं। इस कार्यक्रम का आयोजन शिक्षा मंत्रालय द्वारा किया जाता है। इस वर्ष 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यक्रम का सातवां संस्करण आयोजित किया जा रहा है। इस साल 2.26 करोड़ नामांकन प्राप्त हुए हैं। प्रधानमंत्री नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 29 जनवरी को इन प्रतिभागियों के साथ परीक्षा पर चर्चा करेंगे।

इसमें कक्षा 6 से 12 के विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को शामिल होने का अवसर मिलता है। इसमें भाग लेने के लिए पहले प्रश्नोत्तरी/निबंध/स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता रहा है। इस वर्ष पंजीकरण की प्रक्रिया में नयापन लाते हुए एक अनूठी प्रश्नोत्तरी की शुरुआत की गई है, जिसमें चंद्रयान, खेलों में भारत की उपलब्धियां आदि जैसे नए विषयों को शामिल किया गया है। प्रधानमंत्री से विद्यार्थी कौन-से प्रश्न पूछेंगे और चर्चा कर सकेंगे, इसके लिए भी एक पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई गई है। कक्षा छठी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों से प्रश्न आमंत्रित किए गए। विद्यार्थियों को यह स्वतंत्रता थी कि वे परीक्षा के तनाव से निपटने या सामान्य रूप से जीवन के बारे में अपनी पसंद के ऐसे प्रश्न भेज सकते थे, जिन्हें वे प्रधानमंत्री से पूछना चाहेंगे।

इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री विद्यार्थियों के शिक्षक, मार्गदर्शक और अभिभावक की भूमिका में होते हैं। विगत वर्षों में इस कार्यक्रम के सफल आयोजन ने हमारे विद्यार्थियों के मस्तिष्क से तनाव कम करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सुखद है, इसके माध्यम से विद्यार्थियों को परीक्षा को एक उत्सव के रूप में मनाने का अवसर मिल पा रहा है और वे आनंदपूर्वक परीक्षा देने के महत्व को समझने लगे हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

डिजिटलाइजेशन से प्रदेश में सुशासन और विकास

मनोहर लाल

यह गणतंत्र दिवस हम ऐसे समय में मना रहे हैं, जब हरियाणा में 'संकल्प से परिणाम वर्ष' मनाया जा रहा है। हमने वर्ष 2014 में जनसेवा का दायित्व संभालते ही जो संकल्प लिये थे, अब उनके परिणाम लोकहित-लोकसेवा के परिप्रेक्ष्य में आ रहे हैं। हमने व्यवस्था परिवर्तन से सुशासन और सुशासन से सेवा की मंजिलें तय की हैं। इसमें सूचना प्रौद्योगिकी सबसे अधिक कारगर सिद्ध हुई है। हम विकास से विकसित हरियाणा का रास्ता प्रौद्योगिकी और नीति के समुचित मेल से तय करेंगे। आज देश की राजधानी के कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल हुई प्रदेश की झांकी वर्तमान हरियाणा को सही अर्थों में परिलक्षित करती है। हाथों में कम्प्यूटर लिये महिलाएं डिजिटली सशक्त हरियाणा का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। प्रदेश में डिजिटलाइजेशन के जरिए परिवार पहचान-पत्र जैसी क्रांतिकारी स्कीम ने नए भारत के हरियाणा की तस्वीर बदल दी है। बीते एक दशक में टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल ने प्रदेश को विकास के उस पथ पर डाला है, जिसकी एक दशक पहले कल्पना भी नहीं की गई।

हमारी सरकार के प्रदेश में जनसेवा के सवा 9 वर्ष पूर्ण हो गये हैं। वर्ष 2014 में जब प्रदेश की जनता ने हरियाणा की जनसेवा का दायित्व मुझे सौंपा था, तब हरियाणा की स्थिति ऐसी थी कि उन परिस्थितियों और सिस्टम के बीच रहकर प्रदेश को नए सिरे से विकास के मार्ग पर लाना संभव ही नहीं था। औद्योगिकीकरण की शुरुआत के बावजूद वह रफ्तार नहीं पकड़ पाया था। भ्रष्टाचार का बोलबाला था। प्रदेश के संसाधनों का मनमाना व पक्षपातपूर्ण उपयोग हो रहा था। प्रदेश की जिम्मेदारी ग्रहण करते वक्त ही अहसास हो गया था कि प्रदेश को विकास के पथ पर ले जाने हेतु समय के अनुरूप कदम उठाने होंगे।

इस बिगड़ी व्यवस्था को ठीक करने के लिये टेक्नोलॉजी के साथ सही नीतियां एक जरिया हो सकती थीं। मैं स्वयं बचपन से ही इससे काफी नजदीक से जुड़ा रहा हूं, इसलिए टेक्नोलॉजी के लाभ समझता हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया के नारे से हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली।

शायद यही वजह रही कि मैंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के डिजिटल इंडिया के स्लोगन और डिजिटलाइजेशन के जरिए प्रदेश के सिस्टम में सुधार की संभावना को समझा और प्रदेश के तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार को दूर करने की जिम्मेदारी ली। इसलिए शुरू से ही जाति, नस्ल, क्षेत्र, पंथ या संप्रदाय के आधार पर भेदभाव किये बिना समाज के सभी वर्गों को एक संघटित इकाई मानकर विकास व समृद्धि के समान अवसर उपलब्ध कराने की नीति पर चले। टेक्नोलॉजी से सिस्टम में लोगों तक लाभ पहुंचाना सुनिश्चित किया। आज मुझे संतोष है कि प्रदेश उस पथ पर आकर खड़ा हो गया है, जहां से आगे ही जाना होगा, अब पुराने सिस्टम में नहीं जाया जा सकता।

जनता को सुशासन का अनुभव कराने हेतु आवश्यक था कि 'नर सेवा ही नारायण सेवा' का मंत्र लेकर चला जाए। हमने हरियाणा में सरकारी सेवाओं का डिजिटलीकरण कर शासन-प्रशासन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की। इससे आम आदमी को गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की आपूर्ति तय हुई। जनता को सरकारी विभागों में काम हेतु दफ्तरों की खिड़की-खिड़की भटकना पड़ता था। अपने काम के लिए कितने ही चक्कर लगाने पड़ते थे। यह दिक्कत तब और बढ़ जाती है जब गरीब आदमी से काम के बदले पैसे की मांग होती हो। अब हरियाणा की जनता को इन कष्टों से निजात मिल गई है। डिजिटलीकरण से सरकार ने 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' से एक कदम आगे बढ़ते हुए 'ईज ऑफ लीविंग' की दिशा में उपाय किये हैं।

परिवार पहचान-पत्र सरकार के डिजिटलाइजेशन के संकल्प का प्रमाण है। सरकार की सभी सेवाओं का लाभ लोगों को घर बैठे बिना बाधा के संभव हुआ है। सरकार के इस प्रयास ने दफ्तर, दरख्वास्त और दस्तावेजों की आवश्यकता समाप्त कर दी है। परिवारों को जोड़ने की परिपाटी सम्मानपूर्वक शुरू की है। राशन कार्ड बनवाने की दिक्कत से लेकर पेंशन पाने की मशक्कत और जाति प्रमाण-पत्र लेने हेतु दफ्तरों के धक्के खाने की मजबूरी को परिवार पहचान-पत्र ने समाप्त किया। पात्र परिवार को सुविधाएं अब केवल परिवार के पंजीकरण के जरिए खुद-ब-खुद मिलने लगी हैं। डिजिटलीकरण से भ्रष्टाचार से निपटने में मदद मिली। नियत समय सीमा के भीतर सेवाओं की आपूर्ति होने से पारदर्शिता आई है। डिजिटलीकरण ने प्रदेश में नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया को भी पारदर्शी बनाया है। अब हम बिना पर्ची-खर्ची के नारे को सभी सरकारी सेवाओं में भी ले आए हैं। अब न तो किसी कार्यालय में जाना है और न ही काम के लिए बिचौलियों को पैसे देने हैं।

कृषि क्षेत्र में भी हमने डिजिटल गवर्नेंस का उपयोग कर किसानों को राहत दी है। फसलों की खरीद को सुविधाजनक बनाने हेतु 'मेरी फसल-मेरा ब्योरा' ई-खरीद पोर्टल शुरू किया है। इस पर किसान को फसल को बेचने तथा अन्य प्रोत्साहनों की राशि सीधे उनके खातों में जमा हो जाती है।

सरकारी राहत या मदद पाने में लोगों को बिचौलियों का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए अब सभी तरह की सामाजिक सुरक्षा पेंशन, सब्सिडी और वित्तीय सहायता 'डीबीटी' के माध्यम से दी जाती है। गांवों में मालिकाना हक से संबंधित विवादों पर अंकुश लगाने हेतु लाल-डोरा मुक्त करने की योजना शुरू की है। इस योजना को बाद में 'प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना' के नाम से पूरे देश में लागू किया गया। राज्य में 6,259 गांवों के लाल डोरा स्थित लगभग 25.03 लाख अचल सम्पत्ति के भू-स्वामियों को पंजीकृत टाइटल डीड वितरित की जा चुकी हैं।

राज्य में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार जमीन पर सी.एल.यू. देने में होता था। सी.एल.यू. की पूरी प्रक्रिया अब ऑनलाइन कर दी गई है। सभी सी.एल.यू. ऑनलाइन अनुमति के साथ 30 दिन में हो जाते हैं। भू-रिकॉर्ड को पूरी तरह डिजिटलीकरण करने हेतु सभी तहसीलों में समेकित हरियाणा भू-रिकॉर्ड सूचना प्रणाली लागू की गई है। अब भू-स्वामी किसी भी समय और स्थान पर भी अपनी सम्पत्तियों और भू-रिकॉर्ड का ब्योरा ऑनलाइन प्राप्त कर सकता है। इससे भू-विवादों को तुरंत निपटाने में मदद मिली है। सम्पत्तियों की रजिस्ट्री कराने के लिए ई-पंजीकरण प्रणाली शुरू की गई है। अब रजिस्ट्री हेतु कोई भी व्यक्ति पहले ही अपॉइंटमेंट ले सकता है। उस जिले की किसी भी तहसील में जाकर रजिस्ट्री करा सकता है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करेः-
9827806026,
7869620239

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

28 लाख रूपये की लागत से होगा अकलोरडीह सुरडुंग तिराहे के पास सौंदर्यीकरण

जामुल। नगर पालिका क्षेत्र के अकलोरडीह सुरडुंग तिराहे के पास 28 लाख रूपये लागत से सौंदर्यीकरण होगा । नपा अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने बताया कि जामुल नगर को सुन्दर बनाने के लिए विशेष कार्य योजना बनाया गया है। जिसमें जामुल पालिका के प्रत्येक वार्ड में स्थल उपलब्धता अनुसार चौक चाराहों का सौंदर्यीकरण किया जायेगा। इसी तारतम्य में सुरडुंग-शिवपुरी अकलोर तिराहे पर 28 लाख रूपये के लागत से सौंदर्यीकरण होगा जो कि हमारे जामुल नगर पालिका का विशेष पहचान होगा साथ ही हमारे क्षेत्र के आमजन विशेष कर युवा वर्ग को इसका विशेष लाभ होगा क्योंकि सौंदर्यीकरण के लिए जो स्थल उपलब्ध है । उसके साथ ही कालेज, खेल मैदान, उद्यान पहले से ही बना हुआ है साथ ही इस तिराहे का सौंदर्यीकरण होने से हमारे जामुल नगर पालिका की सुन्दरता और भी अधिक होगी । साथ ही विकास कार्यों के साथ नगर के बड़े चौराहों को भी विकसित करने हर संभव प्रयास किया जा रहा है जो कि आने वाले समय में जो भी कार्य हो रहे है। वह धरातल पर दिखेगा निरीक्षण के दौरान उप अभियंता के.एन. ताम्रकार, आलोक सिंह अन्य प्रभारी अधिकारी गण उपस्थित थे ।

पीएम विश्वकर्मा योजना पंजीयन, आयुष्मान एवं आधार अपडेशन शिविर में उमड़ रही हितग्राहियों की भीड़

दुर्ग। नगर पालिक निगम क्षेत्र ब्राह्मण पारा वार्ड 32 दिगम्बर मंदिर में शिविर में उमड़ रही हितग्राहियों की भीड़।महापौर धीरज बाकलीवाल अधिकारियों के साथ शिविर अवलोकन के लिए समय पर पहुँचे।पीएम विश्वकर्मा योजना, आधार कार्ड व आयुषमान कार्ड बनवाने आए नागरिको से बातचीत कर उनका हाल-चाल जाना।पूछा कि उनके परिवार के सभी लोगो का आयुषमान कार्ड और आधार कार्ड व पीएम योजना के लिए पंजीयन अवश्य करवाए।उन्होंने शिविर में पहुँचकर वार्ड के नागरिको से रूबरू हुए।महापौर ने शिविर के अवलोकन के दौरान मौजूद नोडल अधिकारी मोहेंद्र साहू से चर्चा कर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए।नगर निगम लगातार वार्डवार नागरिकों के लिए पीएम विश्वकर्मा योजना से लाभान्वित करने निगम क्षेत्र में शिविर लगाया जा रहा है।देखा जा रहा है कि शिविर में लोगो का बेहतर प्रतिसाद मिल रहा है।जिसको देखते हुए पुनः इसी वार्ड 32 में शिविर का आयोजन किये जाने की बात कही।लोग शिविर में पहुँचकर अपना पंजीयन करा रहे है।बता दे कि सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित शिविर में आम नागरिकों को उनके वार्ड अथवा मोहल्ले में ही प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का आनलाइन पंजीयन,आधार कार्ड अपडेशन एवं आयुष्मान कार्ड बनाने व सुधार करने सुविधा शिविर में प्रदान की जा रही है। महापौर धीरज बाकलीवाल ने बताया प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत 18 प्रकार के पारंपरिक व्यवसाय में कारीगरो और शिल्पकारों की पहचान विश्वकर्मा के रूप में कर उन्हें लाभान्वित किया जाना है। कारीगरों की क्षमता,योग्यता और उत्पादकता बढ़ाने के लिए कौशल उन्नयन हेतु प्रशिक्षण पश्चात टूलकिट हेतु 15 हजार रूपए प्रदान किया जाना है।पंजीकृत हितग्राही जो प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे उन्हें प्रतिदिन 500 रूपए के प्रोत्साहन राशि भी दी जाएगी। आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने बताया कि पारंपरिक 18 व्यापार प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना मे पारंपरिक रूप से 18 प्रकार के व्यापार जैसे लकडी का काम करने वाले बढाई, नाव बनाने वाले,आवेदन प्रस्तुत कर सकते है।

विद्यार्थियों से चर्चा कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने युवाओं को किया प्रेरित, आगे बढ़ने और राष्ट्र निर्माण के लिए किया प्रोत्साहित

श्रीकचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जब भी अवसर मिलता है युवाओं से चर्चा करना पसंद करते हैं। अपनी चर्चाओं के दौरान वे न केवल युवा मन को सुनते हैं अपितु उन्हें आगे बढ़ने और राष्ट्र निर्माण के काम में जुटने के लिए प्रेरित भी करते हैं। जगदलपुर में ज्ञान गुड़ी केंद्र अर्थात ज्ञान की पवित्र जगह के लोकार्पण के अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों से चर्चा कार्यक्रम का निर्णय लिया। इसमें बस्तर संभाग के युवाओं से मुख्यमंत्री ने चर्चा की। मुख्यमंत्री की सरलता-सहजता और आत्मीयता से युवा बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने मुख्यमंत्री से बहुत से प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। मुख्यमंत्री ने चर्चा के समापन के अवसर पर युवाओं सेकहा कि आपसे बातचीत करना बहुत अच्छा लगता है। युवाओं की ऊर्जा प्रभावित करती है। राष्ट्र का उज्ज्वल भविष्य आपके हाथों में है इसलिए आपको सशक्त करने आपसे मिलता-जुलता रहता हूँ। पूरी चर्चा ने युवा दिलों को छू लिया। युवाओं ने मुख्यमंत्री को उनका पोर्ट्रेट भी भेंट किया।

मैकाले की शिक्षा पद्धति में था दोष, मोदी जी की नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों का डर दूर कर देगी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बस्तर संभाग के अपने दौरे में जगदलपुर में ज्ञान गुड़ी के लोकार्पण के अवसर पर विद्यार्थियों से चर्चा भी की। मुख्यमंत्री ने युवाओं को अपने प्रश्न और जिज्ञासा खुलकर रखने के लिए प्रोत्साहित किया। बस्तर की कंचन यादव ने मुख्यमंत्री से पूछा कि जिन्हें परीक्षा से डर लगता है वे यह डर कैसे दूर करें। प्रश्न का उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मैकाले की शिक्षा पद्धति का यह दोष था कि वो विद्यार्थियों को डराती थी। इसमें विद्यार्थियों पर भारी दबाव रहता था। हमारे प्रधानमंत्री हमेशा से विद्यार्थियों से संवाद करते हैं। विशेष रूप से बोर्ड परीक्षाओं के दौरान वे हमेशा विद्यार्थियों को तनाव मुक्त रहने के लिए सुझाव देते हैं।

विद्यार्थियों से किये गये संवाद में उन्होंने पाया कि मैकाले की शिक्षा पद्धति विद्यार्थियों पर परीक्षा का तनाव लादती है। शिक्षा पद्धति में सुधार किये जाने की जरूरत है और फिर उन्होंने नई शिक्षा नीति लागू की। इसमें विद्यार्थी के समग्र विकास के लिए पूरी गुंजाइश होती है। मुख्यमंत्री ने कंचन को बताया कि प्रधानमंत्री विद्यार्थियों से चर्चा करने हमेशा उत्सुक रहते हैं। मैं आपको बताना चाहूँगा कि 29 जनवरी को भी उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद का कार्यक्रम रखा है।

मुख्यमंत्री के बेहद सरल-सहज व्यक्तित्व के चलते युवाओं ने अपनी जिज्ञासा उनके समक्ष रखी। मुख्यमंत्री ने इन सभी का समाधान किया और बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में नई सरकार किस तरह से आगे बढ़ने जा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि शिक्षा तब कारगर होती है जब उसमें देशी संस्कार और परंपरा को शामिल किया जाता है। भारत की पुरानी शिक्षा पद्धति को छोड़कर अंग्रेजों ने मैकाले की पद्धति को लागू किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पदक अलंकरण से सम्मानित पुलिस अधिकारियों से की भेंट

छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा का इतिहास जब भी लिखा जाएगा, हमारे पुलिस जवानों के संघर्ष, शौर्य और साहस का होगा स्वर्णिम उल्लेख - मुख्यमंत्री

श्रीकचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपालविश्वभूषण हरिचंदन की गरिमामय उपस्थिति में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज गणतंत्र दिवस की संध्या पर राजभवन में आयोजित स्वागत समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर पदक अलंकरण प्राप्त करने वाले पुलिस अधिकारियों से भेंट कर उनके शौर्य और पराक्रम की सराहना की। इस दौरान पुलिस वीरता पदक, विशिष्ट सेवा हेतु राष्ट्रपति पुलिस पदक, सराहनीय सेवा हेतु भारतीय पुलिस पदक, सराहनीय सुधार सेवा पदक प्राप्त पुलिस अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। स्वागत समारोह में कैबिनेट मंत्री बृजमोहन अग्रवाल उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पदक प्राप्त पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के कुछ इलाके सुरक्षा की दृष्टि से अति संवेदनशील है और यहां की चुनौतियां भी मैदानी क्षेत्रों से अलग है। आप सभी ने सेवा के दौरान आई कठिनाईयों से डट कर मुकाबला किया, जिससे संवेदनशील क्षेत्रों का दायरा लगातार सिमट रहा है। छत्तीसगढ़ पिछले दो दशकों से तमाम चुनौतियों को पार करते हुए शांति स्थापित करने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। कर्तव्य के प्रति समर्पण का ही परिणाम है कि आज आप सभी को पुलिस पदक प्राप्त हुए हैं। छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा की जब भी बात होगी, तो हमारे पुलिस के जवानों के संघर्ष, शौर्य और साहस का स्वर्णिम इतिहास भी प्रमुखता से उल्लेखित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सभी पुलिस अधिकारी और जवानों को वीरता पुरस्कार मिलने पर बधाई और शुभकामनाएं दी।

बीजापुर पुलिस को 06 फरवरी 2019 को सशस्त्र माओवादियों के प्रशिक्षण शिविर में उपस्थिति की खुफिया सूचना मिली। अगले दिन पुलिस टीम घटना स्थल की ओर रवाना हुई और इस दौरान 80-100 हथियार बंद माओवादियों ने पुलिस जवानों पर फायरिंग की। लगभग 90 मिनट तक चली इस मुठभेड़ में पुलिस जवानों के साहस के साथ की गई जवाबी कार्यवाही ने नक्सलियों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। घटना में 10 नक्सली मारे गए और बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्रियां बरामद की गई। इस घटना की सूचना मिलते ही तत्कालीन बीजापुर पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग ने अपनी टीम तैयार की और घायल साथियों की सुरक्षित वापसी के लिए घटना स्थल की ओर रवाना हुए। पुलिस अधीक्षक श्री गर्ग स्वयं टीम का नेतृत्व करते हुए आगे बढ़े और इस दौरान इंद्रावती नदी से दो किलोमीटर दूर घात लगाकर बैठे 40 से 50 नक्सलियों ने पुलिस पर अंधाधुंध गोली बारी शुरू कर दी। श्री गर्ग ने जान की परवाह किए बिना तुरंत अपनी टीम को आगे बढ़ाया और घात लगाकर नक्सलियों पर हमला किया। श्री गर्ग ने रणनीतिक ऑपरेशन की योजनाएं बनाई और चतुराई से नक्सलियों का मुकाबला किया।

इस अदम्य साहस एवं बहादुरी के लिए पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग (भा.पु. से.) के साथ ही उप निरीक्षक पिल्लुराम मंडावी, सहायक उप निरीक्षक जोगीराम पोड़ियाम, प्रधान आरक्षक हिड़मा पोड़ियाम, प्रधान आरक्षकप्रमोद कुड़ियाम, प्रधान आरक्षक बलराम कश्यप, आरक्षक बीजूराम मज्जी, आरक्षक बुधराम हपका, आरक्षक लक्ष्मीनारायण मरपल्ली, आरक्षक मंगलू कुड़ियाम को पुलिस के 'वीरता पदक' से अलंकृत किया गया। स्वर्गीय बुधराम हपका का पुरस्कार उनकी पत्नी ने प्राप्त किया।

राजनांदगांव जिले में 02 अगस्त 2019 को दरेकसा क्षेत्र समिति के 8-10 सदस्यों की उपस्थिति के संबंध में सूचना मिलने पर जिले की पुलिस टीम द्वारा ऑपरेशन रिमझिम-1 चलाया गया। थाना बाघ नदी अंतर्गत काला पहाड़ में ऑपरेशन के दौरान जब पुलिस पार्टी आगे बढ़ रही थी, तब घात लगा कर बैठे नक्सलियों ने पुलिस जवानों को जान से मारने एवं हथियार लूटने के इरादे से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

इस दौरान निरीक्षक लक्ष्मण केंवट द्वारा साहस पूर्वक इस अभियान का नेतृत्व किया गया और निडरता से कवर फायर करते हुए पुलिस पार्टी को फंसाने के नीयत से बिछाई गई आई.ई.डी. से बच निकले। गोलीबारी करीब ढाई घंटे तक चली। घटना स्थल की तलाशी में 5 महिला माओवादी और 02 पुरूष माओवादी के शव के साथ बड़ी मात्रा में हथियार, विस्फोटक सामग्री सहित नक्सली साहित्य आदि बरामद किए गए। पूरे ऑपरेशन के दौरान निरीक्षक लक्ष्मण केवट ने बहादुरी, कार्यकुशलता एवं उत्कृष्ट नेतृत्व कौशल का अनूठा उदाहरण दिया, जिसके परिणाम स्वरूप सर्वाधिक वांछित, खूंखार नक्सली मारे गये। इस अदम्य साहस एवं बहादुरी के लिए निरीक्षक लक्ष्मण केवट को 'पुलिस के वीरता पदक' से अलंकृत किया गया।

उप पुलिस अधीक्षक शेरबहादुर सिंह ठाकुर और आरक्षक छत्रपाल साहू को आज गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस वीरता पदक से सम्मानित किया। बीजापुर जिले में सेवा के दौरान पुलिस कर्मियों ने खुफिया इनपुट प्राप्त होने पर सर्चिंग अभियान चलाया। सर्चिंग के दौरान केतुलनार के जंगल में पहुंची पुलिस टीम पर कैजुअल सिविल ड्रेस में आए नक्सलियों ने अचानक गोली बारी शुरू कर दी।

एसडीओपी शेरबहादुर सिंह ठाकुर और उनकी टीम ने तेजी से स्थिति को संभालते हुए आत्म रक्षा में जवाबी गोली बारी की। 10 मिनट तक हुए फायरिंग में नक्सली जंगल की ओर भाग निकले। घटना स्थल के सर्चिंग के दौरान एक माओवादी के शव सहित भारी मात्रा गोलाबारूद बरामद किए।

इसी प्रकार बीजापुर जिले में 27 अप्रैल 2018 को हुए नक्सली घटना में उप निरीक्षक सुरेश जव्वा, प्रधान आरक्षक सुशील जेट्ठी, प्रधान आरक्षक बड़दी धरमैया, आरक्षक मंगलू कोवासी, आरक्षक मुकेश कलमू, आरक्षक रमेश पेरे को अदम्य साहस और बहादुरी की वीरता पुरस्कार से अंलकृत किया गया।

उसके साथ ही बीजापुर जिले में 02 मार्च 2018 को हुए नक्सली घटना के दौरान अदम्य साहस और वीरता का परिचय देने के लिए उप निरीक्षक अरूण कुमार मरकाम, प्रधान आरक्षक लच्छिन्दर कुरूद, प्रधान आरक्षक मनोज कुमार मिश्रा, आरक्षक लीलांबर भोई, आरक्षक अजय कुमार बघेल को वीरता पुरस्कार से अलंकृत किया गया। इसी तरह विशिष्ट सेवा हेतु राष्ट्रपति का पुलिस पदक जिला दंतेवाड़ा रेन्ज के उप पुलिस महानिरीक्षक कमलोचन कश्यप को प्रदान किया गया। सराहनीय सेवा हेतु भारतीय पुलिस पदक श्रीमती नेहा चंपावत पुलिस महानिरीक्षक, आरक्षक शैलेन्द्र सिंह यातायात बिलासपुर, उप सेनानी प्रकाश टोप्पो 15वीं वाहिनी छत्तीसगढ़ बल जिला बीजापुर को प्रदान किया गया।

प्रदेश के पहले आदिवासी मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचे आदिवासी समाज के लोगों में दिखा उत्साह

श्रीकचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के पहले आदिवासी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुंडा, हल्बा, मुरिया, कोया, भतरा, दोरला सहित सर्व आदिवासी समाज के लोगों को मिलने की उत्सुकता देखते बन रही थी। मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान समाज के प्रतिनिधियों में अलग उत्साह से पुष्प भेंट कर लोगों में फोटो लेने की होड़ सी मच गई थी।

मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर बस्तर संभाग के आदिवासी समाज मारिया, मुरिया, हल्बा, मुण्डा, भतरा, गोड समाज के लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं था। मुख्यमंत्री को अपने परिवार के मुखिया की तरह वे अपने सुख-दु:ख पर चर्चा कर रहे थे। इसके अलावा भतरा, हल्बा, मुंडा, मारिया, कोया समाजों के लोगों ने बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के द्वारा प्रकाशित उनके समाज के प्रतिनिधियों द्वारा लिखित पुस्तक भेंट की। बस्तर संभाग के आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ में आदिवासी मुख्यमंत्री पाकर खुशी से गद-गद होकर अपनी खुशी व्यक्त कर अपने आप को सम्मानित महसूस कर रहे थे। समाज के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को बधाई दी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारन्टी पर कार्य करने की सराहना की। समाज के लोगों ने शहीद गेंद सिंह की मूर्ति जगदलपुर के प्रमुख चौक में लगाने, समाज को बाह्य संस्कृति से बचाने जैसे अन्य विषय की मांग मुख्यमंत्री से की। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दो दिवसीय प्रवास के दौरान गुरुवार की शाम स्थानीय सर्किट हाउस में विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों से भेंट मुलाकात कर उनके मांगों और समस्याओं का निराकरण करने का आश्वासन दिया। भेंट मुलाकात में आंध्रा समाज के जनों ने विधि विधान से पूजा कर मुख्यमंत्री का सम्मान किया। इसके अलावा धाकड़, कोष्टा,सिंधी, आरण्यक ब्राह्मण, गुजराती, मराठी, मिथिला, क्षत्रिय, यादव, जैन, गुप्ता, देवांगन, जायसवाल समाज सहित विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधि, विपणन संघ, पशुधन विकास विभाग के कर्मचारी अधिकारी, पत्रकार-साहित्यकार, समाजसेवी के अलावा विद्यार्थियों ने भेंट कर बधाई दी और मांगों और समस्याओं के संबंध में आवेदन दिया।

ॐ साईं राम
माँ पुस्तक भंडार

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

गणतंत्र दिवसः राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली

राज्यपाल हरिचंदन ने प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत को आजादी दिलाने वाले अमर शहीदों और असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों को सादर नमन, जिनके त्याग तथा बलिदान के कारण, आजाद देश को अपना संविधान बनाने का अवसर मिला। उन सभी महान विभूतियों को सादर नमन, जिनके अथक परिश्रम और अपार प्रतिभा के कारण भारत को गौरवशाली संविधान मिला। हमारा संविधान समय की कसौटी पर खरा उतरा और एक लंबी यात्रा के उपरांत हम अपने गणतंत्र के अमृत महोत्सव के मुकाम पर पहुंचे हैं।

आज के दिन सन् 1950 में भारत का संविधान पूर्ण रूप से लागू हो गया था। हमारा महान संविधान लोकतंत्र की आत्मा है। देश की एकता और अखण्डता बनाए रखने का माध्यम है। संवैधानिक मूल्यों के प्रति अपनी आस्था और विश्वास बनाए रखकर ही प्रत्येक व्यक्ति और प्रदेश राष्ट्र के प्रति अपने कर्त्तव्य का निर्वाह कर सकता है। भारत का प्रत्येक नागरिक संविधान-प्रदत्त अधिकार के माध्यम से अपना जीवन संवार सकता है।

देश को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, स्वातंर्त्य वीर विनायक दामोदर सावरकर, जैसी सभी महान विभूतियों के साथ ही प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू, प्रथम विधि मंत्री बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर, प्रथम उपप्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल तथा उन लाखों मनीषियों को सादर नमन करता हूं, जिनके अनमोल योगदान के कारण हम सभी को दुनिया के महानतम गणतंत्र और सफलतम लोकतांत्रिक देश के नागरिक होने का गौरव मिला। मैं इसी क्रम में भारत की वर्तमान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु एवं वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भी सादर स्मरण करता हूं, जिन्होंने अपने यशस्वी व्यक्तित्व एवं कृतित्व से यह साबित किया है कि हमारे संविधान और लोकतंत्र की शक्ति से साधारण परिवार में जन्मा व्यक्ति देश के शीर्षस्थ पदों पर पहुंच कर, अपना श्रेष्ठतम योगदान दे सकता है। मां भारती के गौरव को ब्रम्हाण्ड के हर हिस्से में पहुंचा सकता है। समानता और न्याय के अधिकार की ऐसी बानगी विश्व कल्याण का माध्यम बन रही है।

गणतंत्र दिवस जन-जन के अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों के प्रति अपनी आस्था को मजबूत करने का अवसर है। यह कार्य आम जनता की बुनियादी जरूरतों को पूरा करते हुए, सबको विकास के साधन-सुविधाएं-अवसर देकर ही किया जा सकता है।

यह सुखद संयोग है कि केन्द्र एवं राज्य सरकार ने मिलकर अनेक जनहितकारी नीतियों, योजनाओं, कार्यक्रमों को तेजी से अमल में लाने की दिशा में पुरजोर प्रयास प्रारंभ किया है। छत्तीसगढ़ में छठवीं विधानसभा के गठन के बाद नवगठित सरकार द्वारा पहली कैबिनेट से ही सभी वादे पूरे करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाना शुरू कर दिया है। ''प्रधानमंत्री आवास योजना'' से भारत के हर आवासहीन परिवार की आंखों में यह सपना जागा था कि अब उनके भी सर पर अपनी छत होगी। देश के अनेक राज्यों में यह लक्ष्य समय पर पूरा किया गया लेकिन छत्तीसगढ़ में कतिपय कारणों से विलंब की स्थिति बनी रही। नई सरकार ने आते ही ग्रामीण अंचल में लगभग 18 लाख पक्के आवासों के निर्माण का निर्णय लिया है, जो इन परिवारों के लिए बहुत राहत भरा कदम है।

मेरी सरकार ने प्रदेश के अन्नदाताओं को आर्थिक रूप से सशक्त और स्वावलंबी बनाने की दिशा में मजबूत कदम उठाए हैं। छत्तीसगढ़ राज्य के जन्मदाता पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्मदिवस, 25 दिसम्बर को एक बार फिर सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर एक और वादा निभाते हुए 12 लाख से अधिक किसानों को दो साल के, धान के बकाया बोनस के रूप में 3 हजार 716 करोड़ रुपए की राशि उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की गई। प्रदेश के किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी का निर्णय भी लिया जा चुका है। समर्थन मूल्य पर धान बेचने की राशि का भुगतान किसानों को 48 घंटे के भीतर सुनिश्चित करने की व्यवस्था की गई, जिसमें 90 प्रतिशत प्रकरणों में सफलता मिली है। इस व्यवस्था को और मजबूत बनाया जा रहा है। सभी ऑनलाइन धान खरीदी केन्द्रों में किसानों के बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण से धान खरीदी की कार्यवाही की जा रही है।

मेरी सरकार ने किसानों को निशुल्क बिजली देने के लिए कृषक जीवन ज्योति योजना की शुरूआत वर्ष 2013-2018 के कार्यकाल में की थी, जिसका लाभ अब लगभग 7 लाख किसानों को मिलने लगा है। इस कार्य को और अधिक सुचारू, सुगम बनाते हुए समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए लगभग 1 हजार 123 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि देने की व्यवस्था की गई है, जो पहले से स्वीकृत 2 हजार 900 करोड़ रुपए के अतिरिक्त है।

सूर्य देव की कृपा को सौर प्रौद्योगिकी के माध्यम से व्यापक जनहित में उपयोग के लिए मेरी सरकार की ''सौर सुजला योजना'' के तहत 1 लाख 52 हजार से अधिक सोलर सिंचाई पम्प स्थापित किए जा चुके हैं, जो देश में सर्वाधिक हैं। इसके अलावा सोलर पेयजल पम्पों से 4 लाख 57 हजार परिवारों को लाभ मिल रहा है। वन बाधित क्षेत्रों में 867 गांवों के 1 लाख 35 हजार से अधिक परिवारों को रोशनी मिल रही है।

राज्य में महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन एवं सशक्तीकरण को बढ़ावा देने की सकारात्मक सोच एवं पवित्र उद्देश्य से ''महतारी वंदन योजना'' प्रारंभ करने का वादा भी निभाने की तैयारी है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत प्रदेश के 36 लाख से अधिक महिला हितग्राहियों को रसोई गैस कनेक्शन दिए जा चुके हैं। विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान छूटे हुए पात्र हितग्राहियों को गैस कनेक्शन देने का विशेष अभियान भी संचालित किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय स्तर पर जल जीवन मिशन'' प्रारंभ कर हर घर नल-जल पहुंचाने का वादा किया था। राज्य में अभी तक 36 लाख 13 हजार से अधिक परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन दिए गए हैं, इसमें तेजी लाने के लिए मेरी सरकार ने अतिरिक्त धनराशि का प्रावधान किया है ताकि छत्तीसगढ़वासियों को अपने घर में अपने नल की सुविधा जल्दी से जल्दी मिल सके।

देश के गरीब परिवारों को कोविड-19 महामारी के समय पोषण उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा ''प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना'' लागू की गई थी। इस योजना से मिली व्यापक राहत को देखते हुए इसका विस्तार किया गया और अब आगामी 5 वर्षों तक इस योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के लगभग 68 लाख पात्र परिवारों को प्रतिमाह निःशुल्क चावल दिया जाएगा। यह निर्णय मानव इतिहास में न्याय की बहुत बड़ी मिसाल बनेगा, जिससे छत्तीसगढ़ की भावी सेहतमंद पीढ़ी के निर्माण में भी मदद मिलेगी।

युवा शक्ति हमारे सुरक्षित भविष्य का आधार है। इसे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा-संस्कारों के साथ आजीविका के न्यायपूर्ण अवसर दिलाना हम सबकी जिम्मेदारी है। मेरी सरकार ने वादा किया था कि युवाओं के साथ हुए अन्याय की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। इसके लिए पीएससी प्रकरण की सीबीआई जांच का निर्णय लेकर चयन प्रक्रिया में निष्पक्षता, पारदर्शिता व सुधार लाने का प्रयास किया गया है।

भगवान श्रीराम के प्रति आस्था, श्रद्धा और भक्ति का भाव भारत ही नहीं बल्कि दुनिया भर के लोगों में व्याप्त है। उनकी जन्म स्थली अयोध्या में भगवान राम की स्मृतियों को सहेजने के लिए समस्त स्थलों का जीर्णोद्धार और भव्य मंदिर के निर्माण का सपना 500 वर्षों से जन-जन की आंखों में संजोया हुआ है। यह सपना भगवान श्री राम की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा के साथ पूरा हुआ है। मेरी सरकार ने प्रदेश की जनता के लिए श्री रामलला दर्शन योजना प्रारंभ करने का वादा किया था. जिसे पूरा करने का निर्णय ले लिया गया है। इस योजना के तहत हर वर्ष लगभग 20 हजार लोगों को अयोध्या धाम के साथ ही वाराणसी, काशी विश्वनाथ मंदिर एवं कॉरिडोर की तीर्थ यात्रा कराई जाएगी।

स्वच्छता को लेकर भारत सरकार की प्राथमिकता जग-जाहिर है। मुझे खुशी है कि केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में छत्तीसगढ़ को देश के तीसरे सबसे स्वच्छ राज्य के खिताब से नवाजा गया है। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए छत्तीसगढ़ को विभिन्न श्रेणियों में 6 राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। मेरी कामना है कि स्वच्छता से हम बेहतर स्वास्थ्य एवं उच्चतर जीवन स्तर के बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल हों।

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम- जनमन) के अंतर्गत प्रदेश के 19 जिलों की विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह की 1 हजार 991 बसाहटों में मूलभूत सेवाएं और सुविधाएं पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। मेरा विश्वास है कि इस कार्य से अंत्योदय को बल मिलेगा और समाज के सबसे कमजोर तबकों का सशक्तीकरण होगा।

इसी प्रकार विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत विभिन्न केन्द्रीय योजनाओं से छत्तीसगढ़ के पात्र हितग्राहियों को अवगत कराने, जागरूक करने तथा अभी तक योजनाओं की पहुंच में नहीं आए लोगों को जोड़कर, उन्हें लाभान्वित करने का महाअभियान भी संचालित किया जा रहा है।

हमारे गणतंत्र की सफलता में जन-जन की सदाशयता, परस्पर सहयोग, प्रदेश और देश के निर्माण में भागीदारी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी सम्मत विकास की दृढ़ इच्छाशक्ति समाहित है। वहीं दूसरी ओर हमारी पुरातन संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना के साथ लगाव का योगदान भी है। एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय के दर्शन से हमें मानव और राष्ट्र के प्रति कर्त्तव्य निर्वहन की सार्थक प्रेरणा मिलती है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, कमजोर वर्गों, महिलाओं, युवाओं, बच्चों, किसानों, ग्रामीणों, वनवासियों के समुचित विकास पर सर्वाधिक ध्यान देने की चेतना मेरी सरकार का मूलमंत्र है।

हम सबको मिलकर छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण को लेकर युग पुरुष अटल जी का सपना पूरा करना है। छत्तीसगढ़ को नक्सलमुक्त, कानून-व्यवस्था और शांति का द्वीप तथा विकास का गढ़ बनाना है। ''सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास'' की रणनीति से छत्तीसगढ़ की बेहतरी के हर लक्ष्य प्राप्त किए जाएंगे।

पहला पुरस्कार ग्रामोद्योग विभाग

विभिन्न विभागों ने प्रस्तुत की योजनाओं पर आधारित झांकियां

ग्रामोद्योग विभाग को मिला पहला पुरस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित समारोह में विभिन्न विभागों द्वारा झांकियां प्रस्तुत की गई। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने श्रेष्ठ झांकियों को पुरस्कृत किया। इनमें पहला पुरस्कार ग्रामोद्योग विभाग को, दूसरा पुरस्कार जेल एवं सुधारात्मक विभाग और तीसरा समाज कल्याण विभाग को मिला। ग्रामोद्योग विभाग द्वारा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना पर आधारित योजना को झांकी में प्रदर्शित किया गया। इसके माध्यम से ग्रामोद्योग विभाग अंतर्गत ट्रेड को मुख्य रूप से प्रदर्शित किया गया, जिसमें हस्तशिल्प बोर्ड द्वारा लोहारी कार्य प्रदर्शित करते हुए लौह हस्त शिल्प तथा बेलमेटल शिल्प का जीवंत प्रदर्शन शामिल है।

पुलिस विभाग द्वारा प्रस्तुत झांकी में वर्ष 2023 में संशोधित नये कानून को प्रस्तुत कर नवीन कानून संबंधित जानकारी देकर आम जनता को उनके हितों अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। जेल एवं सुधारात्मक सेवा विभाग की झांकी का थीम ''छत्तीसगढ़ जेल बंदी पुनर्वास की ओर बढ़ते कदम'' था। जिसके प्रथम भाग में जेल के अंदर कैदियों के सुधारात्मक सेवा में हिस्सा लेते और सजा काटने के बाद समाज में सकारात्मक सदस्य के रूप में वापस लौटते हुए दिखाया गया है। द्वितीय भाग में विवेकानंद की ध्यानात्मक प्रतिमा और अंतिम भाग में बंदियों द्वारा किए जा रहे मलखम्ब को प्रदर्शित किया गया। वहीं आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग ने पीएम-जनमन की संकल्पना को प्रदर्शित करते हुए झांकी निकाली गई। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा कृषक उन्नत योजना के अंतर्गत किसानों की उन्नति के लिए धान खरीदी 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से किसानों को भुगतान की गारंटी, किसानों के प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान की खरीदी तथा गैस सिलेण्डर प्रदाय योजना अंतर्गत 500 रुपए में गरीब परिवार को रसोई गैस देने की गारंटी को प्रदर्शित किया गया।

दूसरा पुरस्कार जेल एवं सुधारात्मक विभाग

कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा केन्द्र सरकार की मृदा स्वास्थ्य योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, ड्रोन के माध्यम से नैनो उर्वरकों एवं कीटनाशी रसायनों का दक्षतापूर्ण छिड़काव सहित अन्य योजनाओं को प्रदर्शित किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा अपनी झांकी में मिशन शक्ति अंतर्गत दो उपयोजना सबल और सामर्थ्य को प्रदर्शित किया गया।

पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ के पर्यटन, संस्कृति स्थलों आदि को प्रदर्शित करते हुए पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व विभाग का संयुक्त झांकी प्रस्तुत किया गया, जो कि छत्तीसगढ़ की शक्तिपीठ पर आधारित है। श्रम विभाग द्वारा मोर चिन्हारी भवन तथा अन्य कल्याणकारी योजनाओं एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ''बिहान'', प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) पर आधारित झांकियां प्रस्तुत किया गया। सहकारिता विभाग द्वारा झांकी के अग्र भाग में सहकारी वृक्ष के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में सहकरिता से समृद्धि लाने हेतु किए जा रहे प्रयास, झांकी के मध्य भाग में भारत सरकार द्वारा सहकारी समितियों को पेशेवर बनाने के उद्देश्य से बनाई गई 45 योजनाओं को प्रदर्शित किया गया। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत कबीरधाम के राम्हेपुर में स्थापित भोरमदेव शक्कर कारखाना में गन्ना आधारित एवं कोण्डागांव जिले के कोकोडी में मक्का आधारित एथेनॉल संयंत्र के साथ-साथ बहुतायत में कार्यरत बुनकर, मत्स्य एवं वनोपज सहकारिता की फोटो प्रदर्शित की गई। स्कूल शिक्षा विभाग की झांकी में नयी शिक्षा नीति 2020, अत्याधुनिक कम्प्यूटर प्रयोगशाला अटल टिकरिंग लैब को प्रदर्शित किया गया। समाज कल्याण विभाग की झांकी में दिव्यांग व्यक्तियों के कल्याणार्थ योजनाओं को दर्शाया गया। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने तेंदूपत्ता संग्रहण और उनसे संबंधित गतिविधियां, न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के अंतर्गत संग्रहित की जाने वाली वनोपज प्रजातियों, शहद प्रसंस्करण मॉडल, संजीवनी विक्रय केन्द्र को प्रदर्शित किया। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), स्वच्छ भारत मिशन, अमृत मिशन का प्रदर्शन किया गया। इसी प्रकार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल जीवन मिशन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान भारत), सिकल सेल स्क्रीनिंग कार्यक्रम, डायलिसिस सेंटर, लोक निर्माण विभाग द्वारा विभिन्न निर्माण कार्य अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम, क्रिकेट स्टेडियम (परसदा), फ्लाई ओवर, अरपा नदी में 4 लेन सड़क का निर्माण हाल इत्यादि का झांकियों में प्रदर्शन किया गया।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

सर्दियों में केला खा सकते हैं या नहीं? यह है ठंड में केला खाने के फायदे और नुकसान

सर्दियों में फल खाना चाहिए या नहीं खासकर केला खाने को लेकर अक्सर लोग कंफ्यूज रहते हैं। कई लोग ऐसे हैं जो कहते हैं कि सर्दियों में केला खाना काफी ज्यादा नुकसानदायक होता है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि सर्दियों में केला खाना चाहिए या नहीं? क्या बच्चों को सर्दियों में केला खिलाना चाहिए? ठंड में केला खाने से खांसी -जुकाम बढ़ सकती है। आज हम इस आर्टिकल के जरिए सारे सवालों के जवाब देंगे।

क्या सर्दियों में केला खाना चाहिए?

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक केला सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। लेकिन सर्दियों ज्यादातर लोग केला खाना बंद कर देते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि ऐसा करना बिल्कुल भी सही नहीं है। केला खाने से किसी भी तरह का नुकसान नहीं होता है। हालांकि अगर आपको किसी भी तरह की सर्दी-जुकाम, एलर्जी या गले, नाक में इंफेक्शन है तो बिल्कुल भी केला न खाएं। रात के वक्त तो बच्चे को भूल से भी केला खाने के लिए मत दीजिए। केला खाने से इंस्टेंट इनर्जी मिलती है। इसलिए आप किसी भी मौसम में केला खा सकते हैं। लेकिन सर्दी-जुकाम में भूल से भी केला न खाएं। इससे आपकी परेशानी बढ़ सकती है।

सर्दियों में केला खाने के फायदे

केला खाने से दिल रहता है सेहतमंद

सर्दियों में दिल की बीमारी बढ़ने का खतरा ज्यादा रहता है। हाई बीपी के मरीज अगर ठंड में केला खाएंगे तो उनके लिए ठीक रहता है। दरअसल, केला में हाई फाइबर होता है जो हार्ट से जुड़ी समस्याओं में राहत दिलाता है। फाइबर से भरपूर केला दिल से जुड़ी बीमारी में काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद पोटैशियम दिल की धड़कन और हाई बीपी के प्रेशर को कंट्रोल में रखता है।

केले में होता है भरपूर पोषक तत्व

केला में कैल्शियम के साथ-साथ पोटैशियम, मैंग्नीज, आयरन। मैग्नीशियम, नियासिन, फोलेट, राइबोफ्लेविन और विटामिन बी 6 जैसे कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं। जो शरीर और हड्डियों के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। सर्दियों में ज्वाइंट्स में होने वाले दर्द को भी ठीक करता है।

मीठे की क्रेविंग्स को भी करता है शांत

अगर आपको मीठा खाने का मन करता है आप केला खा सकते हैं। इसे खाने के बाद आपके मीठे की क्रेविंग्स शांत हो जाती है। साथ ही साथ यह भूख को भी कंट्रोल करता है।

नुसरत भरुचा ने गिराई हुस्न की बिजलियां, ब्लैक आउटफिट में बढ़ाया इंटरनेट का पारा

नुसरत भरुचा अक्सर अपनी फिल्मों को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं। उन्होंने अपनी दमदार अदाकारी से हमेशा साबित किया है कि वह किसी भी तरह से किरदार में आसानी से खुद को ढाल सकती हैं। ऐसे में नुसरत के चाहने वाले उन्हें हमेशा ही पर्दे पर देखने के लिए बेताब रहते हैं। एक्ट्रेस भी अपने फैंस के साथ जुड़ी रहने के लिए सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। अब फिर से नुसरत ने अपनी अदाओं से सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

लेटेस्ट फोटोशूट में नुसरत काफी स्वैग में नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने इस नए फोटोशूट के लिए फंकी ऑफ शोल्डर ब्लैक टॉप और कार्गो स्टाइल मैचिंग की पैंट कैरी की है। एक्ट्रेस ने अपने इस लुक को सटल शाइनी बेस, न्यूड लिप्स और स्मोकी आई मेकअप से कंप्लीट किया है। हेयरस्टाइल के लिए उन्होंने बालों का हाई पोनीटेल बनाकर बांधा हुआ है।

एक्सेसरीज के लिए नुसरत ने कानों में डायमंड ईयररिंग्स कैरी किए हैं। उन्होंने अपने इस लुक को कैमर के सामने खूब फ्लॉन्ट करते हुए एक से एक किलर पोज दिए हैं। अब फैंस के बीच उनका ये नया लुक भी काफी वायरल हो रहा है। नुसरत इस फोटोशूट में बेहद खूबसूरत और स्टनिंग दिख रही हैं।

वर्क फ्रंट की बात करें तो नुसरत के वर्क फ्रंट की बात करें तो इन दिनों वह अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म छोरी 2 को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इसके पहले भाग में दर्शकों ने नुसरत पर खूब प्यार लुटाया था। अब फैंस उन्हें एक बार फिर से पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित हैं।

मंगल लक्ष्मी बहनों के असामान्य बंधन की कहानी हैः दीपिका सिंह

एक्ट्रेस दीपिका सिंह फैमिली ड्रामा मंगल लक्ष्मी में मुख्य भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अपने किरदार के बारे में खुलकर बात की है और खुलासा किया है कि कैसे यह शो कई उदाहरणों को दर्शाता है जो हम हर रोज अपने आस-पास देखते हैं। यह शो मंगल (दीपिका) के इर्द-गिर्द घूमता है, जो मल्टीटास्कर है। वह बेटी, पत्नी और बहू की भूमिका ईमानदारी से निभाती है और साथ ही अपनी छोटी बहन, लक्ष्मी (सानिका अमित द्वारा अभिनीत) का पालन-पोषण भी करती है।

मंगल, लक्ष्मी के लिए एक जीवनसाथी ढूंढने का प्रयास कर रही है, यह सुनिश्चित करते हुए कि छोटी बेटी को उसी अपमान का सामना न करना पड़े जो मंगल को आदित (नमन शॉ द्वारा अभिनीत) के साथ अपनी शादी में अनुभव हुआ था। मंगल की भूमिका निभाने के लिए तैयार, दीपिका, जो दीया और बाती हम में अपनी भूमिका के लिए जानी जाती हैं, ने साझा किया: मैं दिल्ली के एक देसी और भरोसेमंद किरदार मंगल की भूमिका निभाने के लिए रोमांचित हूं। यह दो बहनों के असामान्य बंधन की कहानी है, जो ऐसे कई उदाहरणों को दर्शाती है, जिसे हम हर रोज अपने आसपास देखते हैं।

उन्होंने कहा, मैंने खुद अपने परिवार में और अपने दोस्तों के बीच कई कहानियां देखी हैं, जिन्होंने मुझे प्रेरित किया है। मुझे यह भी लगता है कि हमारे देश में दर्शक स्क्रीन पर ऐसे सहानुभूतिपूर्ण किरदारों को देखना पसंद करते हैं और उनके साथ जुड़ते हैं।

दीपिका को मंगल के किरदार को जीवंत करने में खुशी महसूस हो रही है और उन्हें उम्मीद है कि दर्शकों को किरदार की हर विशेषता में प्रासंगिकता मिलेगी।

लक्ष्मी की भूमिका निभाने के बारे में बात करते हुए, सानिका ने साझा किया: मंगल लक्ष्मी टीवी के साथ एक्टर के रूप में मेरा पहला प्रोजेक्ट है। लक्ष्मी एक सीधी-साधी लड़की है जो दृढ़ता से अपने अधिकारों के लिए खड़े होने और जो गलत समझती है, उसे चुनौती देने में विश्वास करती है।

नमन ने कहा, अदित का किरदार जो अहंकारी है। वह अपनी पत्नी को कमजोर मानता है। मेरे चरित्र का उद्देश्य भारतीय विवाहों में वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के पितृसत्तात्मक और अभी भी प्रचलित पहलू को प्रदर्शित करना है। उन्होंने कहा, एक अभिनेता के रूप में, मैं अपने हर किरदार में प्रामाणिकता लाने के लिए समर्पित हूं और मैं इस बहुआयामी किरदार को सहजता से निभाने के लिए उत्साहित और उत्सुक हूं। मंगल लक्ष्मी जल्द ही कलर्स पर प्रसारित होगा।

रोहित शेट्टी की इंडियन पुलिस फोर्स को ओटीटी पर मिला जबरदस्त रिस्पांस

फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी ने अपनी पहली वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स के साथ ओटीटी पर कदम रखा। शो ने सप्ताहांत में आश्चर्यजनक रूप से शानदार दर्शक हासिल किए। यह शो के लिए एक जबरदस्त सफलता का संकेत है। सिद्धार्थ मल्होत्रा, शिल्पा शेट्टी और विवेक ओबेरॉय अभिनीत इंडियन पुलिस फोर्स दिल्ली पुलिस अधिकारी कबीर मलिक की गंभीर दुनिया पर प्रकाश डालती है, जहां वह प्रतिद्वंद्वी जरार का सामना करते है, जिसने आतंकवाद का रास्ता अपना लिया है।

एक्शन से भरपूर दृश्यों और हाई-ऑक्टेन ड्रामा के लिए रोहित की विशिष्ट प्रतिभा पूरी सीरीज में स्पष्ट है, जो इसे दर्शकों के लिए एक दिलचस्प घड़ी बनाती है। पहली वेब सीरीज ने न केवल शेट्टी की सिनेमाई शैली के प्रशंसकों को आकर्षित किया है, बल्कि व्यापक दर्शकों को ओटीटी प्लेटफॉर्म की ओर भी आकर्षित किया है। शो को लेकर व्यापक दर्शक इसकी यूनिवर्सल अपील को दर्शाता है जो बाधाओं को तोड़ता है और विभिन्न जनसांख्यिकी के दर्शकों तक पहुंचता है। कलाकारों के शानदार प्रदर्शन के साथ दिल को छू लेने वाली कहानी ने दर्शकों को भारतीय पुलिस बल को महज एक अपराध ड्रामा से ऊपर उठाकर प्रभावित किया है।

वेब सीरीज एक रोमांचक रूप में सामने आती है, जो न्याय की निरंतर खोज और कर्तव्य की पंक्ति में किए गए बलिदानों को दर्शाती है। डिजिटल क्षेत्र में उनका प्रवेश एक फिल्म निर्माता के रूप में उनकी अनुकूलन क्षमता को दर्शाता है।

सिर में ठंड लग जाने पर कुछ ऐसा होता है महसूस, तुरंत आराम चाहिए तो करें ये उपाय

सर्दियों में आपको कभी भी और कहीं भी ठंड लग सकती है। जब सिर में किसी व्यक्ति को ठंड लगती है तो सबसे शुरुआती लक्षण होते हैं सिर दर्द होना। यह सिर दर्द 2-5 दिनों तक भी रह सकता है। यह सिर दर्द सुबह उठने के बाद कहीं बाहर से आने के बाद कभी भी हो सकता है। कई बार तो यह दर्द इतना ज्यादा बढ़ जाता है कि आपको काम करने में भी तकलीफ हो सकती है। आज हम इस आर्टिकल के जरिए सिर में ठंड लगने के शुरुआती लक्षण और छुटकारा पाने के टिप्स के बारे में बात करेंगे।

सिर में ठंड लगने के क्या कारण हो सकते हैं?

जब भी कोई व्यक्ति अचानक से ठंडी हवा के कॉन्टैक्ट में आएगा तो उसे ठंड लगना लाजमी है। क्योंकि ठंडी हवा में बैरोमीटर का दबाव कम हो जाता है। इसके कारण साइनस और कान में दर्द भी हो सकता है। अगर ठंडी हवा ड्राई है तो सिरदर्द और माइग्रेन की शिकायत हो सकती है। सिर में अगर एक बार ठंड लग जाए तो यह काफी दिनों तक रहता है। सिर्फ इतना ही सिर में कफ तक जम जाता है।

सिर में ठंड लगने के लक्षण

ठंड में टेंपरेचर कम होने के कारण चेहरे, सिर, मुंह, गले और गर्दन में अकड़न महसूस होती है। यही वजह है कि दिमाग के ब्लड सर्कुलेशन संकुचन महसूस होती है।

- सिर को नीचे से ऊपर की ओर उठाते वक्त तेज दर्द।
- मुंह, गले या गर्दन के आसपास दर्द।
- सिर के आसपास तेज दर्द।
- कान के आस-पास दर्द महसूस होना।

सरसों तेल नाक, सिर और चेहरे के आसपास में लगाएं।

अगर आपको सिर में तेज दर्द हो रहा है तो सरसों तेल को नाक और सिर में लगाए। सरसों तेल लगाने से चेहरे, सिर, मुंह, गले और गर्दन के आसपास जो दर्द होता है उसमें काफी ज्यादा आराम मिलता है। इससे आपके सिर में गर्माहट पैदा होती है।

जितेंद्र कुमार ने किया फिल्म लांत्रानी का ऐलान, 9 फरवरी को जी-5 पर होगी रिलीज

वेब सीरीज पंचायत से दर्शकों के बीच लोकप्रियता हासिल करने वाले अभिनेता जितेंद्र कुमार को आखिरी बार श्रिया पिलगांवकर के साथ फिल्म ड्राई डे में देखा गया था।यह फिल्म बीते साल 22 दिसंबर को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी।अब जितेंद्र ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसका नाम लांत्रानी रखा गया है। फिल्म में जॉनी लीवर भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।इसके साथ फिल्म की रिलीज तारीख भी सामने आ चुकी है। लांत्रानी सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर दस्तक देगी। फिल्म का प्रीमियर 9 फरवरी को होगा।जितेंद्र ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर फिल्म का पहला पोस्टर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, लांत्रानी का मतलब है बड़ी बड़ी बातें करना। इस कहानी में है अनेक किरदार, लेकिन इन में से कौन है असल लांत्रानी, इस बात का खुलासा होगा 9 फरवरी को। देखिए लांत्रानी बिल्कुल फ्री सिर्फ जी-5 पर। फिल्म में जिशु सेनगुप्ता भी हैं। जितेन्द्र कुमार को जन्म 1 सितंबर 1990 को राजस्थान के अलवर में हुआ था। उन्होंने आईआईटी खड़गपुर से सिविल इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल की। इसके बाद आईआईटी केजीपी में हिंदी प्रौद्योगिकी ड्रामाटिक्स सोसाइटी में कई मंचीय नाटक किए, जहां उन्होंने बिस्वपति सरकार से मुलाकात की, जिन्होंने अंततः उन्हें 2012 में टीवीएफ में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। जितेंद्र कुमार एक भारतीय अभिनेता हैं जो द वायरल फीवर के कॉमेडी स्केच में अपनी भूमिकाओं के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्होंने खुद को भारतीय वेब श्रृंखला की दुनिया के सुपरस्टार के रूप में स्थापित किया है और अपने कई रोल्स जैसे जीतू, मुन्ना जज़्बाती, गिट्टू और अर्जुन केजरीवाल (अरविंद केजरीवाल का परौडी रोल) के लिए व्यापक रूप से जाने जाते है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135, NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरन उपलब्ध यहां उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

यातायात नियमों का पालन करें और जीवन सुरक्षित रखे: लखनलाल देवांगन

रायपुर। कोरबा में आज 35वां राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह अंतर्गत बाइक रैली के माध्यम से आमनागरिको को यातायात नियमों का सड़क पर पालन करने जागरूक किया गया। पुलिस प्रशासन द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में वाणिज्य, उद्योग और श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए और उन्होंने बाइक जागरूकता रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने रैली को सम्बोधित करते हुए सड़क पर वाहन चलाने के दौरान यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने की अपील की। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि हमारा जीवन अनमोल है और सड़क पर नियमों की अनदेखी कर के हम अपनी जिंदगी को खतरे में नहीं डाले। जीवन का सुरक्षा हमसे और हमारे परिवार से जुड़ा है। हमें बहुत तेज गति से वाहन चलाने और शराब पीकर वाहन चलाने से बचना चाहिए। उन्होंने सड़क पर सावधानी के साथ वाहन चलाने और दूसरे के लापरवाही से बचने के लिए खुद को सतर्क रहने की बात भी कही। मंत्री लखनलाल देवांगन ने सीएसईबी फुटबॉल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि यातायात नियमों का पालन करेंगे तो किसी भी जांच से डरने और जुर्माना देने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। पुलिस और प्रशासन आम नागरिकों के लिए है। यातायात नियमों को तोड़ेंगे तो कार्यवाही होगी, जुर्माना देना पड़ेगा, इसलिए पुलिस प्रशासन का सहयोग करिए और नियमों का पालन करिए। दुपहिया चलाते हुए हेलमेट अवश्य लगाए। कार्यक्रम में कलेक्टर अजीत वसंत, पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला ने भी सम्बोधित किया।

राज्य वीरता पुरस्कार: राज्यपाल ने चार बच्चों को किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में आयोजित गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह में राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने राज्य के 4 बच्चों को उनकी विशेष वीरता, साहस एवं बुद्धिमत्ता के लिए राज्य वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया। इस पुरस्कार के लिए इन बच्चों को 25 हजार रूपए की राशि और प्रशस्ति पत्र दिया गया है। इनमें मास्टर अरनव सिंह, मास्टर ओम उपाध्याय, मास्टर प्रेमचंद साहू और मास्टर लोकेश कुमार साहू शामिल हैं।

सरगुजा जिले के लक्ष्मीपुर में रहने वाले 16 वर्षीय मास्टर अरनव सिंह ने बताया कि 12 नवम्बर 2023 को अपने परिवार के साथ गृह ग्राम उदयपुर में दीपावली पूजन के उपरांत सहपरिवार रात्रि 11.30 बजे कार से अम्बिकापुर की ओर आ रहे थे। रात्रि लगभग 12.30 बजे साड़बहार बैरियर के पास पहुंचते ही उन्हें कुछ दूरी पर आग की ऊंची-ऊंची लपटें दिखाई देने लगी। वहां जाकर देखा कि स्वच्छता चेतना पार्क के पास स्थित डंपिंग यार्ड में भीषण आग लगी हुई थी। मास्टर अनवर सिंह ने तत्काल 112 नम्बर पर कॉल किया। 15 मिनट के भीतर ही मणिपुर थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ प्रशासनिक अधिकारी घटना स्थल पर पहुंच गये और वहां सो रहे तीन व्यक्तियों तथा चौकीदार को जगाकर उठाया एवं प्रशासन के सहयोग से सभी को सुरक्षित बाहर निकलवाया।

दुर्ग जिले के कृपाल नगर भिलाई निवासी दिव्यांग 16 वर्षीय मास्टर ओम उपाध्याय 20 दिसम्बर 2023 को सुबह 8.30 बजे अपने घर के पास छोटे-छोटे बच्चों के साथ खेल रहे थे।

दूर खड़े ओम ने देखा कि कुछ खौफनाक कुत्ते बच्चों की ओर बढ़ रहे है, उसने पहले कुत्तों को वहां से भगाने का प्रयास किया, लेकिन एक कुत्ता आक्रमक हो गया और बच्चों की तरफ दौड़ने लगा। तब मास्टर ओम ने अपने जान की परवाह किए बगैर बच्चे को बचाया और आक्रमक कुत्ते को दौड़ने लगा, इस दौरान कुत्ते ने ओम के हाथ में दांत गड़ा दिया, लेकिन उसके बाद भी ओम नहीं रूका और कुत्ते को गली से बाहर सड़क पर छोड़कर छोटे-छोटे बच्चों की जान बचाई।

रायपुर जिले के रामपुर डंगनिया निवासी 9 वर्षीय मास्टर प्रेमचंद साहू और 13 वर्षीय मास्टर लोकेश कुमार साहू ने अपने वीरता का परिचय देते हुए तालाब में डूबते हुए बच्चे की जान बचाई है। इन बच्चों ने बताया कि 7 मार्च 2023 को दोपहर 1.30 बजे अपने 3 मित्रों लोकेश कुमार साहू, पुष्पेन्द्र साहू और प्रियांशु साहू के साथ डंगनिया तालाब में नहाने के लिए गए थे। नहाते समय 9 वर्षीय पुष्पेन्द्र का पैर फिसल जाने से तालाब की अधिक गहराई में जाकर डूबने लगा था। जिसे देखकर प्रियांशु साहू ने बचाने के लिए आवाज लगाई। लोकेश कुमार साहू एवं प्रेमचंद साहू ने अदम्य साहस एवं सूझबूझ का परिचय का देते हुए स्वयं की जान जोखिम में डालकर बालक पुष्पेन्द्र की जान बचाई।

मुख्यमंत्री ने अमर वाटिका के अमर जवान स्मारक में पुष्प अर्पित कर शहीदों को किया नमन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गणतंत्र दिवस पर जगदलपुर के आमागुड़ा चौक में स्थित अमर वाटिका परिसर में अमर जवान स्मारक में पुष्प गुच्छ अर्पित कर शहीदों को नमन किया।

मुख्यमंत्री ने परिसर में स्थित माटा लोना सभाकक्ष में नक्सल घटना में शहीद हुए जवानों के परिजनों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम पूछा। मुख्यमंत्री को परिजनों ने अपनी मांगों और समस्याओं के संबंध में बताया इस संबंध में उन्होंने शहीद परिवारों की समस्याओं के तत्काल निराकरण के लिए आईजी सुन्दरराज पी. तथा कलेक्टर विजय दयाराम के. को निर्देश दिए। उन्होंने परिजनों के साथ स्वलापहार भी लिया। इसके उपरांत मुख्यमंत्री ने परिसर में नक्सल घटनाओं में शहीद हुए सीआरपीएफ, बीएसएफ, जिला बल, सीएएफ, एनएपी, एमएपी के 1254 जवानों की याद में उनके नामों की लगाई गई पट्टिका का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने परिसर में नारियल के पौधे का रोपण भी किया। साथ ही एनसीसी कैडेट्स के साथ समूह फोटोग्राफ खिंचवाई।

इस अवसर पर विधायक विनायक गोयल, पूर्व सांसद दिनेश कश्यप, पूर्व विधायक संतोष बाफना, आईजी सुन्दरराज पी., संभागायुक्त श्याम धावड़े, आयुक्त जनसंपर्क मयंक श्रीवास्तव, कलेक्टर विजय दयाराम के., पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह सहित अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

राजधानी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 75 वां गणतंत्र दिवस

श्रीकचनपथ न्यूज

रायपुर। गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन द्वारा आज यहां राजधानी रायपुर में पुलिस परेड ग्राउंड में ध्वजारोहण किया गया और परेड की सलामी ली गई। परेड निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव अमिताभ जैन और पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा भी उपस्थित थे। राज्यपाल ने प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस जन-जन के अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों के प्रति अपनी आस्था को मजबूत करने का अवसर है। यह कार्य आम जनता की बुनियादी जरूरतों को पूरा करते हुए, सबको विकास के साधन-सुविधाएं और अवसर देकर ही किया जा सकता है।

राज्यपाल ने कि भारत को आजादी दिलाने वाले अमर शहीदों और असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों को नमन को नमन करते हुए कहा कि उनके त्याग तथा बलिदान के कारण, आजाद देश को अपना संविधान बनाने का अवसर मिला। उन सभी महान विभूतियों को नमन किया। जिनके अथक परिश्रम और अपार प्रतिभा के कारण भारत को गौरवशाली संविधान मिला। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान समय की कसौटी पर खरा उतरा और एक लंबी यात्रा के उपरांत आज हम अपने गणतंत्र के अमृत महोत्सव के मुकाम पर पहुंचे हैं।

राज्यपाल ने भारत की वर्तमान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु एवं वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भी स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अपने यशस्वी व्यक्तित्व एवं कृतित्व से यह साबित किया है कि हमारे संविधान और लोकतंत्र की शक्ति से साधारण परिवार में जन्मा व्यक्ति देश के शीर्षस्थ पदों पर पहुंच कर, अपना श्रेष्ठतम योगदान दे सकता है और मां भारती के गौरव को ब्रम्हाण्ड के हर हिस्से में पहुंचा सकता है। समानता और न्याय के अधिकार की ऐसी बानगी विश्व कल्याण का माध्यम बन रही है। राज्यपाल ने कहा कि हमारा महान संविधान लोकतंत्र की आत्मा है। देश की एकता और अखण्डता बनाए रखने का माध्यम है। संवैधानिक मूल्यों के प्रति अपनी आस्था और विश्वास बनाए रखकर ही प्रत्येक व्यक्ति और प्रदेश राष्ट्र के प्रति अपने कर्त्तव्य का निर्वाह कर सकता है। भारत का प्रत्येक नागरिक संविधान-प्रदत्त अधिकार के माध्यम से अपना जीवन संवार सकता है।

राज्यपाल ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार ने मिलकर अनेक जनहितकारी नीतियों, योजनाओं, कार्यक्रमों को तेजी से अमल में लाने की दिशा में पुरजोर प्रयास प्रारंभ किया है। छत्तीसगढ़ में छठवीं विधानसभा के गठन के बाद नवगठित सरकार ने पहली कैबिनेट से ही सभी वादे पूरे करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाना शुरू कर दिया है। ''प्रधानमंत्री आवास योजना'' से भारत के हर आवासहीन परिवार की आंखों में यह सपना जागा है कि अब उनके भी सर पर अपनी छत होगी। सरकार ग्रामीण अंचल में लगभग 18 लाख पक्के आवासों के निर्माण का निर्णय लिया है, जो इन परिवारों के लिए बहुत राहत भरा कदम है। उन्होंने प्रदेश के अन्नदाताओं को आर्थिक रूप से सशक्त और स्वावलंबी बनाने की दिशा में सरकार द्वारा उठाये गये कदम का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के जन्मदाता पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्मदिवस, 25 दिसम्बर को सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया और इस अवसर पर 12 लाख से अधिक किसानों को दो साल के, धान के बकाया बोनस के रूप में 3 हजार 716 करोड़ रुपए की राशि उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की गई। प्रदेश के किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी का निर्णय भी लिया जा चुका है।

उन्होंने कृषक जीवन ज्योति योजना, सौर सुजला योजना, महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, जल मिशन योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) का उल्लेख करते हुए विभिन्न योजनाओं की उपलब्धियों को रेखांकित किया।

राज्यपाल ने कहा कि युवा शक्ति हमारे सुरक्षित भविष्य का आधार है। इसे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा-संस्कारों के साथ आजीविका के न्यायपूर्ण अवसर दिलाना हम सबकी जिम्मेदारी है। सरकार ने वादा किया था कि युवाओं के साथ हुए अन्याय की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। इसके लिए पीएससी प्रकरण की सीबीआई जांच का निर्णय लेकर चयन प्रक्रिया में निष्पक्षता, पारदर्शिता व सुधार लाने का प्रयास किया गया है।

राज्यपाल हरिचंदन ने कहा कि भगवान श्रीराम के प्रति आस्था, श्रद्धा और भक्ति का भाव भारत ही नहीं बल्कि दुनिया भर के लोगों में व्याप्त है। सरकार ने भी प्रदेश की जनता को अयोध्या ले जाकर उन्हें श्री रामलला मंदिर दर्शन कराने की योजना प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। इस योजना के तहत हर वर्ष लगभग 20 हजार लोगों को अयोध्या धाम के साथ ही वाराणसी, काशी विश्वनाथ मंदिर एवं कॉरिडोर की तीर्थ यात्रा कराई जाएगी।

राज्यपाल ने कहा कि स्वच्छता को लेकर भारत सरकार की प्राथमिकता जग- जाहिर है। उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में छत्तीसगढ़ को देश के तीसरे सबसे स्वच्छ राज्य के खिताब से नवाजा गया है तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए छत्तीसगढ़ को विभिन्न श्रेणियों में 6 राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। स्वच्छता से हम बेहतर स्वास्थ्य एवं उच्चतर जीवन स्तर के बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल होंगे। इसी प्रकार विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत विभिन्न केन्द्रीय योजनाओं से छत्तीसगढ़ के पात्र हितग्राहियों को अवगत कराने, जागरूक करने तथा अभी तक योजनाओं की पहुंच में नहीं आए लोगों को जोड़कर, उन्हें लाभान्वित करने का महाअभियान भी संचालित किया जा रहा है।

75वां गणतंत्र दिवस के अवसर पर चेम्बर कार्यालय में ध्वजारोहण किया गया

श्रीकचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव,राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने जानकारी दी कि 75वां गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर राष्ट्रीय ध्वजारोहण कार्यक्रम छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज कार्यालय चै.देवीलाल व्यापार उद्योग भवन, बाम्बे मार्केट, रायपुर में शुक्रवार, 26 जनवरी, 2024 को प्रात: 9.30 बजे ध्वजारोहण किया गया।

कार्यक्रम के पूर्व सर्वप्रथम पूजा अर्चना कर भारत माता एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तस्वीर में माल्यार्पण, गुलाल व पुष्प अर्पित किया गया। चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष श्री अमर पारवानी के द्वारा प्रात: ठीक 9.30 बजे ध्वजारोहण किया गया । ध्वजारोहण के पश्चात् राष्ट्रगान एवं भारत माता का जयघोष किया गया एवं सभी पदाधिकारियों व्यापारी एवं उद्योगपति बंधुओं को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें दी ।

इस अवसर पर चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, पूर्व अध्यक्ष पूरन लाल अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष- राजेन्द्र जग्गी, राम मंधान, कार्यकारी महामंत्री कपिल दोशी, चेम्बर सलाहकार-दीपक बल्लेवार, सुरिन्दर सिंह, जितेन्द्र दोशी, उपाध्यक्ष-महेश दरयानी, नरेन्द्र हरचंदानी, अमृत लाल पटेल, पवन वाधवा, भरत जैन, महेश प्रसाद राय, विकास पंजवानी, पुरूषोत्तम लाल डागा, संगठन मंत्री-महेन्द्र कुमार बागरोड़िया, मंत्री-शंकर बजाज, नीलेश मूंधड़ा, राकेश (जनक वाधवानी),दिलीप इसरानी, जयराम कुकरेजा, जोगेंद्र नागवानी, विजय पटेल, विक्रांत राठौर, संदीप शर्मा, टेक्नीकल टीम सदस्य-मुकेश मोटवानी (सी.ए.), कार्यकारिणी सदस्य- सतीश श्रीवास्तव, वासु मखीजा, लोकेश चन्द्रकांत जैन, छत्तीसगढ़ पान व्यापारी संघ के अध्यक्ष दिलीप पंसारी, छत्तीसगढ़ प्लास्टिक निर्माता एवं विक्रेता संघ के अध्यक्ष जीवत बजाज, थोक किराना व्यापारी संघ के अध्यक्ष पोहूमल जी, सचिव अर्जुनदास ओचवानी, युवा चेम्बर महामंत्री कांति पटेल, उपाध्यक्ष- हिमांशु वर्मा, महिला चेम्बर अध्यक्ष मधु अरोरा, महामंत्री पिंकी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रेरणा भट्ट सहित बड़ी संख्या में व्यापारी, उद्योगपति प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

कर्तव्य पथ पर निकली छत्तीसगढ़ की झांकी 'बस्तर की आदिम जनसंसद: मुरिया दरबार'

श्रीकचनपथ न्यूज

रायपुर । नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल छत्तीसगढ़ की झांकी ''बस्तर की आदिम जनसंसद: मुरिया दरबार'' ने दर्शकों का मन मोह लिया। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित देश के अनेक शीर्षस्थ लोग, विशिष्ट अतिथिगण तथा आम-नागरिक दर्शक-दीर्घा में उपस्थिति थे। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों मुख्य अतिथि थे।

प्रदेश की इस झांकी के विषय चयन एवं प्रस्तुतिकरण के लिए राज्य शासन ने जनसंपर्क विभाग को जिम्मेदारी दी थी। विषयों पर व्यापक शोध एवं अन्वेषण के बाद वरिष्ठ अधिकारियों एवं विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में झांकी को तैयार किया गया था।छत्तीसगढ़ की झांकी भारत सरकार की थीम 'भारत लोकतंत्र की जननी' पर आधारित थी। यह झांकी जनजातीय समाज में आदि-काल से उपस्थित लोकतांत्रिक चेतना और परंपराओं को दर्शाती है, जो आजादी के 75 साल बाद भी राज्य के बस्तर संभाग में जीवंत और प्रचलित है। इस झांकी में केंद्रीय विषय ''आदिम जन-संसद'' के अंतर्गत जगदलपुर के ''मुरिया दरबार'' और कोंडागांव जिले के बड़े डोंगर में स्थित ''लिमऊ-राजा'' को दर्शाया गया था।

झांकी के प्रदर्शन के दौरान कर्तव्य पथ पर छत्तीसगढ़ के लोक कलाकारों ने परब नृत्य भी प्रस्तुत किया।

मथुरावासी चाट सेंटर
शादी एवं पार्टियों के आर्डर लिए जाते हैं।
9893283525
जैन पान ठेला के सामने आकाश गंगा सुपेला

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

मेरी पत्नी से क्यों बात करते हो बोलकर पीटाः रायपुर में पड़ोसी ने बांस के डंडे से किया हमला, युवक अस्पताल में भर्ती, एफआईआर दर्ज

रायपुर (ए)। रायपुर में एक युवक ने अपनी पत्नी से बात करने को लेकर दूसरे युवक की जमकर पिटाई कर दी। पीड़ित युवक आरोपी के पड़ोस में ही रहता है। इस मारपीट के बाद घायल युवक को मोहल्ले वालों ने अस्पताल में भर्ती कराया। इस मामले में फिलहाल तेलीबांधा पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर लिया है।

पीड़ित की पत्नी डिगेश्वरी निषाद ने तेलीबांधा थाने में एफआईआर दर्ज करवाया कि शिव मंदिर चौक लाभांडी में रहती है। उसके पति तामेश्वर निषाद ड्राइवर हैं। शुक्रवार की सुबह साढ़े 6 बजे के करीब पड़ोस में रहने वाला पोषण निषाद ने उनके पति को तुम मेरी मेरी पत्नी से क्यों बातचीत करते हो कहते हुए गाली-गलौज की।

आरोपी ने बांस के डंडे से पीटा

पीड़ित की पत्नी बताया कि आरोपी ने अपने पास रखे बांस के डंडे से उसके पति पर हमला कर दिया। तामेश्वर निषाद के बांए हाथ की उंगली और कलाई के पास चोट आई है। पीड़ित को आसपास मोहल्ले में रहने वाले लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया है। तेलीबांधा पुलिस एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

मौसी-नानी पर टंगिया से हमला एक की मौत, आरोपी गिरफ्तार

धमतरी (ए)। धमतरी खाना नहीं बनाने की बात को लेकर एक युवक ने मौसी और नानी पर टंगिया से हमला कर दिया। दोनों को परिजनों ने अभनपुर के अस्पताल में भर्ती कराया। इसमें से एक की मौत हो गई, जबकि दूसरे का इलाज जारी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर हमलावर युवक को पकड़ लिया है। पुलिस पूछताछ में आरोपी युवक ने अपने अपराध की बात स्वीकार की, उसके बाद पुलिस ने बयान दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। चौकी प्रभारी निरीक्षक शोभा मंडावी ने बताया कि हेमंत साहू निवासी कोड़ापार ने रिपोर्ट दर्ज कराई। बताया कि 24 जनवरी कीशाम 7.30 बजे डोमन दास (30) मुरली मानिकपुरी को ड़ापार निवासी ने खाना नहीं बनाने की बात पर अपनी मौसी लता मानिकपुरी और नानी सुरुज मानिकपुरी को अपशब्द कहे। हत्या करने की नीयत से टंगिया मार दिया। दोनों को गंभीर हालत में अभनपुर के अस्पताल में भर्ती कराया। जहां लता मानिकपुरी की मौत हो गई, जबकि सुरुज मानिकपुरी का इलाज जारी है। रिपोर्ट पर आरोपी डोमनदास के खिलाफ धारा 294, 307, 302 के तहत एफआईआर कर हिरासत में लिया। पूछताछमें अपराध करना स्वीकारा।

छोटी चोरियों से नहीं हो रहा था गुजारा तो करने निकले बैंक में डकैती, पुलिस पहुंची तो भागे, तीन डकैत पकड़ाए

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के अंडा थाना क्षेत्र पुलिस व स्थानीय ग्रामीणों की सक्रियता से डकैती की बड़ी घटना टल गई। छोटी चोरियों से गुजारा नहीं होने पर यहां के जिला सहकारी मर्यादित बैंक अटल चौक में डकैती की नियत से बैंक की खिड़की को काटकर पांच बदमाश अंदर घुसे। इससे पहले की बैंक की रकम पर हाथ साफकरते ग्रामीणों की इसकी भनक लग गई। रात्रि गश्त पर निकली पुलिस को इसकी सूचना दी गई। पुलिस के आने से पहले पांचों बदमाश भाग गए। पुलिस ने पतासाजी के बाद तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। इनके पास से बैंक के कुछ सामान व नगदी रकम जब्त की गई है।

मिली जानकारी के अनुसार 24 व 25 जनवरी की दरमियानी रात को अंडा क्षेत्र के जिला सहकारी बैंक में बदमाशों ने सेंधमारी की। डकैती की नियत से बैंक की खिड़की को काटकर बदमाश अंदर घुसे। रात्रि गश्त पर निकली अंडा पुलिस एवं ग्रामीणों की सतर्कता के चलते डकैतों ने बैंक में रखे रकम को हासिल करने से पहले ही कुछ समान लेकर भाग गए। डकैती की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक रामगोपाल गर्ग के द्वारा जिले के पुलिस को अलर्ट करते हुये चारों दिशाओं में नाकाबंदी की गई।

इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी शुरू की और 3 बदमाशों को अलग अलग स्थान पकड़कर पूछताछ किया गया। इन तीनों ने बैंक में डकैती की बात मान ली। इनके साथ दो और बदमाश भी थे जो भागने में कामयाब हो गए। पुलिस ने तीनों बदमाशों को गिरफ्तार करते हुए उनके पास से 2 मोटर साइकिल, बैंक के कम्प्यूटर मॉनिटर तथा नगदी रकम 4700 रुपए को बरामद किया गया। आरोपियों ने बताया कि घटना में शामिल सभी आरोपी जिला रायपुर छत्तीसगढ़ के निवासी है व सभी किसी न किसी अपराध में जेल जा चुके है।

अंडा थाना प्रभारी आनंद शुक्ला ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों में ध्नसुली रायपुर निवासी साहिल राय उर्फ राहुल (20), अभिषेक राय (24) तथा पचेड़ा रायपुर निवासी शेख अमित कुरैशी (37) शामिल है। घटना के दो अन्य आरोपी धर्मेन्द्र एवं सलमान घटना के उपरांत फरार है जिनकी तलाश की जा रही है। थाना प्रभारी आनंद शुक्ला ने यह भी बताया कि सभी छोटे-छोटे अपराधिक कृत्य किया करते थे। जिससे इनकी जरूरते पूरी नहीं हो रही थी। इस वजह से बड़ा हाथ मारने का प्लान बनाया। बैंक में सेंधमारी से पहले सभी ने रेकी की और सही समय की तलाश में थे।

थाना प्रभारी ने बताया कि योजना के तहत 24 जनवरी की रात को बैंक में खिड़की का ग्रिल काटकर दाखिल हुए। पुलिस के पहुंचने के कारण वे सभी बदमाशों को भागना पड़ा। आरोपियों के खिलाफ धारा 450, 402, 399, 395 के तहत कार्रवाई की गई है। इस पूरी कार्रवाई उप निरीक्षक तुलसी राम साहू, एएसआई राघवेन्द्र सिंह, चंद्रशेखर सोनी, प्रधान आरक्षक धन्नू राम कृषान, लक्ष्मीनारायण पात्रे, भागवत पेंदरिया, कौशलेन्द्र सिंह, आरक्षक भवानी जगत, तिलेश्वर यादव, उमाकांत वर्मा, कुबेर सिंह, कमलकांत अंगूरे, अश्वनी यदु आकाश अवस्थी, नितेश कुर्रे, तेजेश्वर साहू तथा डायल 112 वाहन चालक जितेन्द्र सिन्हा की मुख्य भूमिका रही है।

कोरबा में SECL के कोल स्टॉक में लगी आग, फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

कोरबा (ए)। कोरबा जिले के SECL मानिकपुर के प्राइवेट साइडिंग के कोल स्टॉक में फिर से भीषण आग लग गई। आग लगते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना पर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है। मामला मानिकपुर चौकी क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार, शनिवार तड़के रेलवे स्टेशन के सेकेंड एंट्री के पास एसईसीएल मानिकपुर के प्राइवेट साइडिंग में भीषण आग लग गई। सुबह कोयले की ढेर में आग लगा देखकर तुरंत कर्मचारियों ने प्रबंधन और दमकलकर्मियों को सूचना दी।

कोयले की ढेर में भीषण आग लगी हुई थी और पूरे एरिया में धुआं फैला हुआ था। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग बुझाना शुरू किया। करीब 5 घंटे के बाद आग पर तो काबू पा लिया गया है, लेकिन पूरी तरह से कोयला ठंडा हो जाए, इसलिए एहतियातन मौके पर दमकलकर्मी मौजूद हैं।

कर्मचारियों ने बताया कि यहां भारी मात्रा में कोयले का स्टॉक रखा गया था। कोयला परिवहन के दौरान ओवरलोड कोयला एडजस्टमेंट कर डंप किया गया था। घटना की सूचना पर मानिकपुर चौकी पुलिस भी मौके पर पहुंची। फिलहाल आग लगने की वजह की जांच जारी है।

कुछ दिनों पहले भी यहां लगी थी आग

इसी कोल स्टॉक में आग लगने की ये दूसरी घटना है। सूचना पर RPF भी मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। यहां पास में ही रेलवे स्टेशन है, जहां मालगाड़ी से कोयला परिवहन किया जाता है। समय रहते अगर आग पर काबू नहीं पाया जाता, तो बड़ी घटना घट सकती थी। यहां लगातार यात्री ट्रेनें भी चलती हैं।

इसी कोल स्टॉक से कुछ दिनों पहले मानिकपुर चौकी पुलिस ने कोयले से भरा ट्रक पकड़ा था और दो आरोपियों की गिरफ्तारी की गई थी।

एमजीएम स्कूल में हादसाः गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान स्मोक डिवाइस में ब्लास्ट से तीन बच्चे झुलसे

कोरबा। बालको नगर के अंबेडकर स्टेडियम में गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान एमजीएम स्कूल बालको के तीन छात्रों की इलेक्ट्रॉनिक स्मोक डिवाइस से जलने की घटना सामने आई है। हादसे में तीन छात्रों के शरीर का निचला हिस्सा बुरी तरह से झुलस गया है। घायल छात्रों का प्राथमिक उपचार बालको के विभागीय अस्पताल में कराया गया है। हादसे के वक्त एमजीएम स्कूल के बच्चे डांस की प्रस्तुति दे रहे थे।

इलेक्ट्रॉनिक स्मोक डिवाइस को बच्चों के पैरों में बांधा गया था। डांस के बीच में ही अचानक स्मोक डिवाइस में ब्लास्ट होने के कारण तीन छात्रों का शरीर का निचला हिस्सा बुरी तरीके से इसमें झुलस गया। इस घटना से स्टेडियम में अफरा-तफरी की मच गई। तत्काल छात्रों को के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया। पूरी घटना में एमजीएम स्कूल प्रबंधन की बड़ी लापरवाही देखने को मिली है।

जानकारी के अनुसार, स्टेडियम में डांस करने के दौरान ही स्मोक डिवाइस में शॉर्ट सर्किट होने के कारण तीन छात्र बुरी तरह से झुलस गए। स्कूल के प्राचार्य वर्गीस ने बताया कि स्मोक डिवाइस की जानकारी उन्हें नहीं थी। छात्रों और डांस टीचर को रही होगी। बच्चों का इलाज हो गया है। वहीं, अभिभावकों ने एमजीएम स्कूल प्रबंधन के खिलाफ गहरी नाराजगी जताते हुए प्रबंधन की लापरवाही बताई है। उन्होंने बताया कि स्कूल के टीचर से घटना के बारे में पूछने पर गोल-मटोल जवाब देते हैं। प्रबंधन की लापरवाही से उनके बच्चे के साथ ऐसी घटना घटित हुई है।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक-युवती की मौत

जशपुर में अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, दोनों की मौके पर गई जान

जशपुर (ए)। जशपुर जिले के बगीचा थाना क्षेत्र के बिमड़ा में बीती रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक और युवती की मौके पर मौत हो गई। रात को हुई घटना की सूचना पर डायल 108 की टीम ने दोनों को बगीचा अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। परिजनों को घटना की सूचना शुक्रवार सुबह मिली।

जानकारी के अनुसार बगीचा थाना अंतर्गत ग्राम बिमड़ा से मैनी चौक के बीच अज्ञात वाहन ने पैशन प्रो सवार युवक अशोक नगेशिया (22) व सुनीता नगेशिया को टक्कर मार दी। टक्कर से दोनों बाइक सवार सड़क पर जा गिरे और उनकी मौके पर मौत हो गई।

राहगीरों की सूचना पर डायल 108 की टीम मौके पर पहुंची। दोनों के शरीर में कोई हरकत नहीं देख उन्हें बगीचा अस्पताल पहुंचाया। दोनों को चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

दोहपर में युवक निकला था घर से

घटना की सूचना परिजनों को सुबह मिली, जब किसी परिचित ने अशोक नगेशिया का एक्सीडेंट होने की जानकारी उसके भाई मितवा नगेशिया को दी। मितवा नगेशिया ने बताया कि अशोक घर से दोपहर 12 बजे बाइक लेकर निकला था। इसके बाद वह घर नहीं आया। उसके साथ बाइक में बैठी युवती सुनीता नगेशिया भी उसके गांव की थी। संभवतः वे गांव लौट रहे थे।

अज्ञात वाहन का नहीं चल सका पता

पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। बाइक को ठोकर मारने वाले अज्ञात वाहन का पता नहीं चल सका है। जांच अधिकारी एएसआई नीता कुर्रे ने बताया कि हादसे का कोई प्रत्यक्षदर्शी नहीं मिला है। मार्ग में सीसी कैमरों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ धारा 304 ए का अपराध दर्ज कर लिया है।

ट्रैफिक नियमों का पालन करने वालों का हुआ सम्मान, सड़क सुरक्षा अभियान के दौरान 2500 लोगों को मिला लर्निंग लाइसेंस

■ हेलमेट पहनने वालों को मिले गुलाब

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर जिले में सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। इसके तहत चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के दौरान गणतंत्र दिवस के दिन ट्रैफिक पुलिस ने यातायात नियमों का पालन करने वालों को गुलाब देकर सम्मानित किया।

वहीं, नियम तोड़ने वालों को उनसे सीख लेने की नसीहत दी गई। सड़क सुरक्षा अभियान के दौरान शिविर लगाकर अब तक 2,500 लोगों को लर्निंग लाइसेंस जारी किया गया है। ट्रैफिक पुलिस की ओर से 15 जनवरी से 14 फरवरी तक सड़क सुरक्षा माह अभियान चलाया जा रहा है।

देशभक्ति गीतों के साथ ट्रैफिक जागरूकता अभियान

इस दौरान जागरूकता के लिए अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। गणतंत्र दिवस के अवसर पर ट्रैफिक पुलिस ने इस अभियान के तहत शुक्रवार को मैग्नेटो मॉल के सामने देशभक्ति गीतों के साथ ट्रैफिक जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान आरक्षक जावेद अली और राकेश सिंह ने देशभक्ति गीतों पर शानदार प्रस्तुति दी।

ट्रैफिक रूल्स का पालन करने पर भेंट किया गुलाब का फूल

ट्रैफिक पुलिस के जवानों ने यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया। यहां चेकिंग के दौरान ऐसे दोपहिया और चारपहिया वाहन चालक जो यातायात नियमों का पालन करते दिखे, उन्हें गुलाब का फूल दिया गया।

वहीं, नियमों का पालन नहीं करने वाले वाहन चालकों को हिदायत देते हुए ऐसे लोगों से सीख लेने की नसीहत दी गई। ट्रैफिक डीएसपी संजय साहू ने बताया कि इस अभियान के दौरान हेलमेट और सीट बेल्ट लगाने सहित अन्य कानूनों का पालन करने वालों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य और ट्रैफिक जवान मौजूद रहे।

14 फरवरी तक चलेगा अभियान 2,500 लोगों को जारी किया लर्निंग लाइसेंस

ट्रैफिक डीएसपी संजय साहू ने बताया कि सड़क सुरक्षा माह 2024 का आयोजन 14 फरवरी तक किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिसमें आम लोगों को यातायात कानूनों की जानकारी दी जा रही है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

Galaxy Granite
रायपुर से कम दामों में
WholeSaler & Retailer
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

उन्नति महिला सहकारी समिति में 75 वा गणतंत्रता दिवस पर लहराया तिरंगा

भिलाई। भारत देश के संविधान दिवस 26 जनवरी 24 को उन्नति महिला सहकारी साख समिति मर्यादित भिलाई दुर्ग के प्रधान कार्यालय सुपेला पोस्ट आफिस के सामने गणतंत्रता दिवस के पुनीत अवसर पर देश के सपूतो के तैलीय चित्र पर पूजा अर्चना कर ध्वजारोहण किया गया , संविधान दिवस पर चर्चा किया गया । कार्यक्रम में मुख्य रूप से साख समिति के महा प्रबंधक इस्माईल खान ने राष्ट्रीय तिरंगा लहराने के बाद 26 जनवरी के महत्व पर विस्तार से जानकारी रखी । तत्पश्चात बच्चों ने कार्यक्रम किया । उन्नति महिला सहकारी साख समिति के अध्यक्षा श्रीमती कौसर खान ने सदस्यो को सहकारी साख समिति में उद्देश्यों की जानकारी दी, प्रबंधक श्रीमती रत्ना चक्रवर्ती ने साख समिति की लाभ के संबंध में जानकारी दिया । गणतंत्रता दिवस के अवसर पर उपाध्यक्ष डॉ श्रीमती मीनाक्षी दुबे, संचालक मंडल सदस्य सिम्मी शर्मा,पूर्णिमा जंघेल,रेहाना बेगम,अवध विश्वकर्मा,प्रतिमा पारधी,सदस्य लालमती देवी, रीना ऊके,धरमबती निषाद सहित साख समिति के सदस्य एवम नागरिक गण उपस्थित हुए ।

भिलाई इस्पात विकास विद्यालय के कक्षा-1 में प्रवेश प्रारंभ

भिलाई। बीएसपी के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त सहयोग से संचलित भिलाई इस्पात विकास विद्यालय, सेक्टर-6 तथा भिलाई इस्पात विकास विद्यालय, सेक्टर-11 के कक्षा 1 में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो गयी है। इसके तहत 1 अप्रैल 2016 से 31 मार्च 2018 तक जन्म लेने वाले बालक/बालिकाएं इस विद्यालय में प्रवेश ले सकते हैं। प्राथमिक राशन कार्ड और अंत्योदय राशन कार्डधारी बालक-बालिकाओं को प्रवेष के लिए बीपीएल सर्वेक्षण 2007-2008 का सत्यापन प्रमाण पत्र या जनगणना पत्रक 2011 आवश्यक है। पालकगण अवकाश के दिनों को छोड़ कर भिलाई इस्पात विकास विद्यालय, सेक्टर-6 में सोमवार से शुक्रवार तक प्रात 10 से दोपहर 02 बजे तक तथा शनिवार को प्रातः 10 से दोपहर 12:00 बजे तक प्रवेश के लिए पंजीयन करा सकते हैं।

सियान सदन के बुजुर्गों को सहायक उपकरणों का वितरण किया गया

भिलाई। सेल बोर्ड नई दिल्ली के स्वतंत्र निदेशकगण, अशोक कुमार त्रिपाठी एवं कन्हैया सारदा, भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग द्वारा संचालित, दुर्ग स्थित सियान सदन के बुजुर्गों से मिले। जहाँ उन्होंने 24 जनवरी 2024 को सियान सदन के जरूरतमंद वरिष्ठजनों को सहायक उपकरणों का वितरण किया। वृद्धाश्रम के बुजुर्गों ने इसकी सराहना की, उन्हें धन्यवाद दिया और भावविभोर होकर अपना आशीर्वाद प्रदान किया। इस दौरान कन्हैया सारदा की पत्नी श्रीमती सुनीता सारदा भी उनके साथ मौजूद थी। कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक बी के गिरि, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ एम रविन्द्रनाथ, महाप्रबंधक प्रभारी विजय कुमार शर्मा, महाप्रबंधक शिवराजन, वरिष्ठ प्रबंधक सुशील कामडे सहित सीएसआर विभाग के सदस्यगण उपस्थित थे। विदित हो सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत, सहयोग से दुर्ग जिले के दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों को कृत्रिम एवं सहायक उपकरणों का वितरण किया जा रहा है।

हर्षोल्लास के मना गणतंत्र दिवस समारोह, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने ध्वजारोहण कर परेड की ली सलामी

सांस्कृतिक कार्यक्रम में अनुसूचित जनजाति कन्या छावात्रास, झांकी में केन्द्रीय जेल दुर्ग और परेड में जिला पुलिस बल अव्वल रहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। गणतंत्र दिवस समारोह दुर्ग जिले में पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने दुर्ग के रवि शंकर स्टेडियम में आयोजित 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का प्रदेश की जनता के नाम संदेश का वाचन किया। उन्होंने उल्लास एवं उमंग के प्रतीक रंगीन गुब्बारे आसमान में छोड़े। परेड द्वारा हर्ष फायर एवं राष्ट्रपति की जय जयकार की गई। मुख्य अतिथि शर्मा ने कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी और एसएसपी आर.जी. गर्ग के साथ परेड का निरीक्षण किया और आम नागरिकों का अभिवादन स्वीकार किया।

परेड कमाण्डर रक्षित निरीक्षक नीलकंठ वर्मा के नेतृत्व में जिला पुलिस बल, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, एनसीसी जुनियर एवं सीनियर, रेडक्रॉस और स्काउट गाइड के 11 प्लाटून द्वारा आकर्षक मार्च पास्ट करते हुए सलामी मंच के सामने से गुजरे। तत्पश्चात् मुख्य अतिथि श्री शर्मा प्लाटून कमाण्डरों से परिचय प्राप्त किया। इस मौके पर उन्होंने शहीद के परिजनों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर नगर के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने देश-भक्ति गीतों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दिये। समारोह के समापन पूर्व मुख्य अतिथि प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने उल्लेखनीय कार्य करने वाले विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया। समारोह में संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर, आईजी बी.एन. मीणा, विधायक गजेन्द्र यादव, ललित चन्द्राकर, स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। समारोह में प्रथम स्थान प्राप्त झांकी में केन्द्रीय जेल दुर्ग के बंदियों द्वारा निर्मित वस्तुओं का प्रदर्शन किया गया। इस झांकी की मुख्य विषय वस्तु बंदियों को शिक्षा व प्रशिक्षण से सुधार एवं पुनर्वास हेतु औद्योगिक प्रशिक्षण से स्वालम्बन प्रयास के अंतर्गत जेलों में चलाए जा रहे काष्ठकला, सिलाई, स्क्रीन प्रिंटिंग, वेल्डिंग उद्योग व पाठशाला का बेसिक कोर्स तथा चन्द्रयान-3 का संक्षिप्त सजीव चित्रण प्रस्तुत किया गया है। भारत को विश्व गुरू बनाने के परिप्रेक्ष्य में हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री के मार्ग दर्शन में भारत के वैज्ञानिकों के द्वारा चन्द्रयान-3 का चन्द्रमा की दक्षिणी ध्रुव में सफल प्रक्षेपण किया गया, इसे प्रदर्शित किया गया।

दूसरे स्थान पर महिला एवं बाल विकास विभाग के झांकी में बेटी बचाओ बेटी बढ़ाओ की झांकी प्रदर्शित की गई। झांकी लड़कियों के शिक्षा पर जोर देने के साथ लिंगानुपात को कम करना एवं संस्थागत प्रसव में सुधार ड्रॉप-आइट बच्चों को स्कूल में जोड़ना, कानूनी सहायता एवं पूनर्वास कराना, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर जागरूकता, उत्कृष्ट कार्यक्षेत्र में प्रदर्शन हेतु प्रोत्साहन, माध्यमिक शिक्षा स्तर पर नामांकन में 01 प्रतिशत की वृद्धि और प्रतिवर्ष बालिकाओं और महिलाओं का कौशल विकास, सुरक्षित मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

तीसरे स्थान प्राप्त झांकी में पुलिस विभाग द्वारा सड़कों पर होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने एवं आम नागरिकों को यातायात के प्रति जागरूकता करने, साइबर अपराध से होने वाले ठगी के प्रति जागरूकता लाने दुर्ग पुलिस लगातार प्रयासरत है। विश्वास, विकास एवं सुरक्षा हमारा दायित्व है। आम नागरिकों से अपील है कि यातायात के नियमों का पालन कर एवं दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद कर हम सभी एक सच्चे देशभक्त होने क मिशाल पेश कर सकते हैं। साइबर प्रहरी अभियान के तहत दुर्ग पुलिस साबइर ठगी के प्रति आम नागरिकों को जागरूक कर रही है, अब आ रहा है भारत में नया कानून बदल रहा है। अंग्रेजों के जमाने का कानून, अब हम मानेंगे भारत का तीन नये परिवर्तित कानून-भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य संहिता आदि प्रदर्शित की गई।

सांस्कृतिक प्रस्तुति में प्रथम स्थान अनुसूचित जनजाति कन्या छात्रावास दुर्ग, द्वितीय स्थान शासकीय तिलक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुर्ग को तथा तीसरा स्थान शंकुतला विद्यालय रामनगर भिलाई को मिला। सांत्वना पुरस्कार सेजेस बालाजी नगर भिलाई एवं शंकराचार्य विद्यालय हुड़को को मिला। परेड में जिला पुलिस बल को प्रथम एवं छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल को द्वितीय स्थान तथा विद्यार्थी वर्ग में एनसीसी सीनियर डिवीजन को प्रथम व रेडक्रॉस को द्वितीय स्थान मिला।

कलेक्टर ने किया ध्वजारोहण

दुर्ग। गणतंत्र दिवस के अवसर पर कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने कलेक्टोरेट में ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

अपोलो महाविद्यालय में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मनाया

दुर्ग। दुर्ग अपोलो महाविद्यालय अंजोरा में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास से किया गया। 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के सफाई कर्मचारियों के द्वारा ध्वजारोहण किया गया एवं राष्ट्रीयगान गाकर राष्ट्र के प्रति सम्मान व देशप्रेम की भावना प्रकट की गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के चेयरमेन बी.एस.भाटिया, संचालक आशीष अग्रवाल, संजय अग्रवाल, मनीष जैन व विशेष अतिथि भूषण साहू उपस्थित रहें। उन्होने सभी छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों व कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं व बधाई दी। इस अवसर पर अपोलो कॉलेज ऑफनर्सिंग, फार्मेसी, फिजियोथैरेपी व शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों ने गीत संगीत में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस प्रकार गणतंत्र दिवस का जश्न मनाया गया।

उत्साह हर्ष एवं प्रसन्नता के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

भिलाई। सरस्वती शिशु मंदिर नया खुर्सीपार में गणतंत्र दिवस बड़े ही उत्साह हर्ष एवं प्रसन्नता के साथ मनाया गया सर्वप्रथम घोष दल के साथ नगर में प्रभात फेरी निकाली गई तत्पश्चात ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के व्यवस्थापक बेदूराम वर्मा ने किया मुख्य अतिथि दया सिंह जी भिलाई नगर निगम के प्रतिपक्ष नेता रहे। विशेष अतिथि में कोषाध्यक्ष सुरेंद्र दुबे जी सह व्यवस्थापक दिलीप अग्रवाल श्रीभगवान अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, अतुल गर्ग श्री आशीष अग्रवाल विद्यालय के प्रशासक गणेश मिश्र रहे । दीप प्रज्वलन सरस्वती वंदना भारत माता की आरती एवं समूह गान के पश्चात अतिथि परिचय गणेश मिश्र ने किया। शारीरिक प्रकट उत्सव एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ जिसमें लेजिम डम्बल के अतिरिक्त अनेक देशभक्ति गीतों पर नृत्य प्रस्तुति भैया बहनों के द्वारा हुआ। मुख्य अतिथि दया सिंह ने सरस्वती शिशु मंदिर को एक मंदिर कहां जहां से छोटे-छोटे बच्चे संस्कार युक्त वातावरण में रहकर संस्कारित होकर समाज में आकर अपने अपने क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करते है। अध्यक्ष महोदय के आशीर्वचन एवं प्रशासक जी के आभार प्रदर्शन और राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम गीत साथ संपन्न हुआ ।

नेहरू आर्ट गैलरी में सुरक्षा आधारित ड्राइंग और पेंटिंग प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग के तत्वाधान में, जनसंपर्क विभाग द्वारा संचालित नेहरू आर्ट गैलरी, इंदिरा प्लेस (सिविक सेंटर), भिलाई में 24 से 28 जनवरी, 2024 तक सुरक्षा पर आधारित ड्राइंग और पेंटिंग की प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इस पांच दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन, 24 जनवरी, 2024 को संध्याकाल में, मुख्य अतिथि श्रीमती ममता सारंगी एवं श्रीमती सुनीता सारदा ने अध्यक्ष (भिलाई महिला समाज) श्रीमती त्रिपर्णा दासगुप्ता की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर किया गया।

भिलाई महिला समाज की उपाध्यक्ष नीरजा कुमारी सिंह, अतिरिक्त उपाध्यक्ष नुपुर स्वरुप, अतिरिक्त उपाध्यक्ष श्रीमती स्मिता गिरी, महासचिव साधना गोयल, सह-कोषाध्यक्ष दीपन्विता पाल सहित बीएसपी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, संयंत्र कर्मी, प्रतिभागी बच्चे और उनके अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। ममता सारंगी, श्रीमती सुनीता सारदा और अध्यक्ष (भिलाई महिला समाज) श्रीमती त्रिपर्णा दासगुप्ता ने प्रदर्शनी के चित्रों में गहरी रुचि ली और शालेय बच्चों से बातचीत भी की। उन्होंने आगंतुक पुस्तिका में अपने विचार लिखे, जहां उन्होंने बच्चों की ड्राइंग और पेंटिंग के साथ चित्रों के माध्यम से सुरक्षा जागरूकता की उनकी रचनात्मक सोच और अभिव्यक्ति की सराहना की। श्रीमती सारंगी और श्रीमती सारदा ने इस अवसर पर सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग द्वारा प्रदर्शित सुरक्षा मॉडलों और उपकरणों की भी सराहना की। साथ ही यहाँ सुरक्षा पर केंद्रित कठपुतली का भी मंचन किया गया, जिसका अतिथियों ने भरपूर आनंद उठाया।

उल्लेखनीय है, कि सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में चल रहे सुरक्षा जागरूकता माह 2024के अंतर्गत सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग द्वारा, शालेय छात्र छात्राओं के लिए सुरक्षाथीम पर केंद्रित एक ड्रॉइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का अयोजन 14 जनवरी 2024 को सुनीति उद्यान सेक्टर-8 में किया गया था।

एसआर हॉस्पिटल में मनाथा गथा 75 वॉ गणतंत्र दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। एस.आर.हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर चिखली धमधा रोड दुर्ग में आज 26 जनवरी 2024 को गणतंत्र दिवस के 75 वें वर्षगांठ का राष्ट्रीय पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेना सशस्त्र बल स.स.ब के कमांडेंट बांके बिहारी एवं अस्पताल के चेयमेन संजय तिवारी व डॉ एस पी केसरवानी व अजय तिवारी भूतपूर्व शासकीय अधिवक्ता उत्तर प्रदेश शासन व अन्य सभी अतिथियों ने भारत माता के तैलचित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवल कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि द्वारा 10 बजे झंडा फहराने के बाद सभी ने मिलकर एक साथ जन मन गण गाया गया ।

कार्यक्रम में अपने स्वागत भाषण में डॉ एस.पी. केसरवानी ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत का संविधान विश्व का सबसे बड़ा संविधान है। मूल संविधान का वजन 13 किलो है । चेयरमेन संजय तिवारी ने सर्वप्रथम देशवासियों को लोकतंत्र के महापर्व गणतन्त्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं अनन्त शुभकामनाएँ दी । एवं विस्तार से संविधान के बारे में बताते हुए डॉं बाबा भीमराव आम्बेडकर व अन्य देशभक्तो व महापुरुषों की जीवन गाथा व विद्धवता के बारे में प्रकाश डाला । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने अपने उदबोधन मे गणतन्त्र दिवस की शुभकामनाएं दी एवं आजादी के महत्त्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन जे एन पाण्डेय द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन विजय गवान्डे नर्सिग एडर्मीनसटेटर द्वारा किया गया ।

कार्यक्रम में अजय तिवारी डॉयरेक्टर ओम नमः शिवाय चन्द्र सेन राठौर ओम प्रकाश हरी साहू प्रेम लाल चन्द्राकर स्वाती पारकर राजीव तिवारी निशा साहू प्रशान्त मिश्रा अभिनव गुप्ता रेखा पारकर यमुना पटेल अफसार निशा गोपी माण्डले व अन्य स्टाफ ने घूमघाम से गणतन्त्र दिवस का कार्यक्रम एक साथ मिलकर मनाया ।

फिर आन्दोलन की राह पर आधार यूनियन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। ऑल इंडिया आधार ऑपरेटर यूनियन अपनी मांगों और समस्याओं को लेकर लगातार इस संबंध में दिल्ली से लेकर राज्य की सरकारों तक अपनी बात रख रहे है। पिछले साल इन्हीं सब समस्याओं और मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल किया गया था।

वहीं छत्तीसगढ़ के आधार संचालकों के हड़ताल पर चले जाने से लोगों को आधार सेवा केंद्रों में आधार से संबंधित कार्य कराने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। ऑल इंडिया आधार ऑपरेटर यूनियन के पदाधिकारियों ने अपनी मांगों को लेकर सीईओ यूआईडीएआई के पास ज्ञापन भी सौंपा था। आश्वासन दिया गया था कि हमारी मांगें पूरी की जाएगी किन्तु सीईओ यूआईडीएआई व संचार एवं इलेक्ट्रानिक सूचना प्रौद्योगिकी विभाग को कई बार दूरभाष से समय मांगा गया किन्तु उन्हें उनके ओर से कोई जवाब प्राप्त नहीं हुआ था और न ही मिलने का समय दिया था। वहीं आधार ऑपरेटरों की रोजी-रोटी छिनने का भय हैं। रजिस्ट्रार कार्यालय से मानदेय भी समय पर प्रदान नहीं किया जा रहा है।

वहीं अब छत्तीसगढ़ में आधार ऑपरेटर चिप्स एजेंसी के अंदर काम कर रहे है जिनको लगभग 2 वर्षों का पेमेंट नही दिया गया है, बार बार पत्र के द्वारा अक्टूबर माह से यूनियन द्वारा भुगतान करने के लिए निवेदन किया जा रहा है, परंतु चिप्स के संबंधित अधिकारियों द्वारा केवल आश्वासन दिया जाता है कि, एक सप्ताह, 15 दिन या 10 दिन में भुगतान कर दिया जायेगा परंतु न ही भुगतान किया जाता है, और न भुगतान न होने के कारण से अवगत कराया जाता है। चिप्स के अधीन कार्यरत आधार ऑपरेटरर्स यूनियन से बार-बार सवाल करते है, जिसका जवाब देने में यूनियन असमर्थता जता रहे है। सभी आधार ऑपरेटरों में आक्रोष की स्थिति बनी हुई है। जिसके कारण वह चिप्स कार्यालय का घेराव करने के लिए तैयारी कर रहे हैं। पत्र दिये जाने के एक सप्ताह के भीतर यदि चिप्स द्वारा आधार ऑपरेटरों का भुगतान नही किया जाता है तो पूरे छत्तीसगढ़ के आधार ऑपरेटर आधार से संबंधित कार्य बंद कर चिप्स कार्यालय में धरना प्रदर्शन करनें का निर्णय लिया है। प्रदर्शन से यदि केंद्र अथवा राज्य सरकार के जनहित योजनाओं पर प्रभाव पड़ता है उसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी चिप्स की होगी। वहीं ऑपरेटरों ने भुगतान को जल्द से जल्द करनें की अपील की है। वहीं इस संबंध में जो भी जानकारी है यूनियन को प्रदान करनें का भी आग्रह किया है। बताया जा रहा है कि UIDAI द्वारा इन्होस मॉडल लाने की तैयारी चल रही है। जिसका आधार आपरेटरों ने इस मॉडल का विरोध किया है। बता दे कि इन्होस मॉडल यदि लागू किया जाता है तो यह एक ठेकेदारी के तौर पर चला जाएगा।

जिससे वह अपने लोगों को आपरेटर के रूप में नियुक्ति देगा। जिसे वर्तमान में कार्य कर रहे आपरेटरों पर उनके जीविका पर असर डालेगा। आधार आपरेटरों द्वारा जो लाखों की मशीनरी जो इन्होंने ले रखी है वह बेकार हो जाएगी जिससे उनके और उनके परिवारों पर भूखों मरने की नौबत आ जाएगी। इसलिए यूनियन ने यह भी मांग रखी है कि इस मॉडल को लागू नहीं किया जाना चाहिए।

गणतंत्र दिवस पर हुआ ध्वजारोहण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। देश आज 75वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। यह पावन अवसर हमारे देश के महान संविधान की सफलता का सबसे बड़ा पर्व है। इस पावन अवसर पर भाजयुमो प्रदेश कार्यसमिति सदस्य व रायपुर प्रभारी मनीष पाण्डेय ने विभिन्न स्थानों पर ध्वजारोहण कर भिलाईवासियों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उन्होंने महान नेताओं और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट काम करते हुए देश को इस गौरवशाली मुकाम पर पहुंचाने वाली सभी विभूतियों को नमन किया। श्री पाण्डेय ने आत्मानंद विद्यालय छावनी, आत्मानंद विद्यालय बालाजीनगर खुर्सीपार, बापू नगर एवं आकाशगंगा सब्जी मंडी में ध्वजारोहण किया। इस दौरान उन्होंने स्कूली छात्रों एवं आमजनों से भेंट की और उन्हें इस पावन पर्व की शुभकामनाएं दी। श्री पाण्डेय ने कहा कि मैं छत्तीसगढ़ महतारी के महान सपूतों अमर शहीद गैंद सिंह, शहीद वीर नारायण सिंह, वीर गुण्डाधूर को सादर नमन करता हूं, जिन्होंने हमारे प्रदेश को राष्ट्रीय आंदोलन से जोड़ा और पूरे छत्तीसगढ़ में त्याग-बलिदान, न्याय-समानता जैसे आदर्शों की अलख जगाई। गणतंत्र दिवस के 75 वर्षों का सफर बताता है कि हम एक सफलतम लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में स्थापित हुए हैं। मैं आज बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर और संविधान सभा के सभी सदस्यों का पावन स्मरण करता हूं, जिन्होंने सामूहिक बुद्धिमत्ता से संविधान रचकर हमारे गणतंत्र को राह दिखाई। इस अवसर पर श्री पाण्डेय ने विद्यालयीन बच्चों द्वारा की गई मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों पर हर्ष जताते हुए सभी का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर पार्षद श्यामसुंदर राव, श्रीमती गिरीजा बंछोर, श्रीमती वीणा चंद्राकर, श्रीमती सरिता बघेल, पूर्व पार्षद जोगिंदर शर्मा, जयशंकर चौधरी सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950